पेंग्विन इंडिया की आनाकानी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

कृति सेनन ऐड विवाद पर... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 154 | गाजियाबाद / रविवार 06 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला

एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 आरोपियों को ठहराया दोषी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी 10 बचे हुए आरोपियों को दोषी करार दिया है। लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों और समर्थकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार

यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था। इस भीषण नक्सल हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा, और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के दो दिन बाद जांच एनआईए को सौंपी थी।

मोदी ने पूछा-पब्लिक से कैसे बात करें, हमें टिप्स दें

● महिला टीचर का जवाब-आपको कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए ● पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी

प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं।

स्क्रीन टाइम एक तरह से लत बन गया

स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरुकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना किसी स्पष्टीकरण के ही लागू कर दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी में सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में 70 साल पुरानी मस्जिद ढहाई जा रही है। शनिवार तड़के 4 बजे से 6 बुलडोजर मस्जिद को तोड़ने में जुटे हैं। एहतियात के तौर पर 5 कंपनी पीएसी, रैफ और पुलिस के 200 जवान तैनात हैं। पुलिस किसी को मस्जिद के पास जाने नहीं दे रही है। फिलहाल मस्जिद का 70 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। कार्रवाई मजिस्ट्रेट के आदेश पर हो रही है। कोर्ट ने मस्जिद को अवैध बताया था। इससे पहले, शुक्रवार रात 11 बजे अफवाह फैली कि प्रशासन मस्जिद को तोड़ने जा रहा है। इसके बाद भारी भीड़ जुट गई थी। तुरंत ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को हटाया। कार्रवाई के खिलाफ सहारनपुर आ रहीं कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि सच्चा हिंदू कभी दूसरे धर्म का अपमान नहीं कर सकता। ये इसलिए हो रहा है, क्योंकि भगवान राम के मंदिर में चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। वहीं ओवैसी ने कहा कि क्या मुसलमानों के लिए अब मजहबी आजादी का संवैधानिक हक भी नहीं बचा है। हमारी इबादतगाहों पर बार-बार कमजोर और मनगढ़ंत वजहों के नाम पर बुलडोजर क्यों चलाया जाता है।

महिला प्रतिनिधित्व पर कांग्रेस की कथनी-करनी अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक तरफ महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की बात करती है, लेकिन दूसरी तरफ उसके ही शासन वाले राज्यों में महिला मंत्रियों की संख्या न के बराबर है। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की चार राज्यों में सरकार है। लेकिन सिर्फ 3 मंत्री पद पर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा- हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में एक भी महिला मंत्री नहीं है। केरल में दो महिला मंत्री हैं, जबकि तेलंगाना में दो में से एक मंत्री को हटा दिया गया। इस तरह चार राज्यों में अब सिर्फ तीन महिला मंत्री रह गई हैं। यह महिलाओं के साथ अन्याय है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कोंडा सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से हटा दिया था। यह फैसला सुरेखा की बेटी की ओर से मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर विवाद हुआ था।

देश में कोयले की कमी बढ़ेगा बिजली संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली की भारी मांग और मानसून के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों के चलते देशभर के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का भंडार तय मानक के आधे से भी कम रह गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर तक देश के 50 पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल यानी गंभीर रूप से कम स्तर पर पहुंच गया है। सीईए के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 224 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले इन संयंत्रों के पास बुधवार तक 28.2 मिलियन टन कोयला उपलब्ध था, जो कि 58.7 मिलियन टन की निर्धारित आवश्यकता का महज 48 प्रतिशत है। 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर यह उपलब्ध स्टॉक लगभग 9 दिनों की जरूरत के लिए ही पर्याप्त है, जबकि सामान्य स्थिति में कम से कम 19 दिनों का बैकअप होना चाहिए।

संयंत्रों में 25 फीसदी से भी कम बचा कोयला स्टॉक- नियमों के अनुसार, जिन संयंत्रों के पास निर्धारित मानक का 25 प्रतिशत से भी कम कोयला बचता है, उन्हें क्रिटिकल श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है।

देश भर के 48 टीचर्स को मिला नेशनल अवॉर्ड

महाराष्ट्र के वैभव ने वीडियो बनाकर मैथ्स कर दी आसान

राजस्थान के दिव्येंदु ने पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर पढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए।

महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए। वहीं राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर बच्चों को पेड़ों की जानकारी देने का नया तरीका अपनाया। इसके अलावा पंजाब के दिनेश कुमार ने वर्चुअल फिजिक्स लैब और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए।

48 स्कूल शिक्षकों के अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक व फैकल्टी सदस्य और कौशल विकास मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षकों को भी नेशनल टीचर अवॉर्ड मिला है।

शिक्षकों की अलग-अलग पहल ने दिलाया सम्मान

मंजरी महाजन, हिमाचल प्रदेश : स्कूल में बच्चों की पढ़ाई के साथ पर्यावरण बचाने पर काम किया। कचरा अलग करना, प्लास्टिक जमा करना और कैंपस को प्लास्टिक से मुक्त रखने की व्यवस्था की। दिव्येंदु सेन, राजस्थान : बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़ी पढ़ाई कराई और उनके साथ 12 नए क्षुद्र ग्रह खोजे। स्कूल के 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर उनके बारे में जानकारी दी। डॉ. वर्तिका गुलाटी, राजस्थान : बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए गूगल मीट और गूगल फॉर्म का इस्तेमाल किया। कोविड के दौरान ऑनलाइन कक्षाएं लेकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। दिनेश कुमार, पंजाब : वर्चुअल फिजिक्स लैब बनाई और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। इससे बच्चों को फिजिक्स आसानी से समझने में मदद मिली और उनका डर कम हुआ। रवि जयसवाल, चंडीगढ़- स्कूल में 3डी गुंबद थिएटर और मौसम केंद्र बनाया। बच्चों को अंतरिक्ष और मौसम के बारे में सीधे प्रयोग और अनुभव के जरिए समझाया। वैभव वसंतराव कुलकर्णी, महाराष्ट्र : गणित को आसान तरीके से पढ़ाने के लिए नए तरीके और कम खर्च वाले मॉडल बनाए। छात्रों की मदद के लिए 700 से ज्यादा वीडियो भी तैयार किए। शालिनी कुशवाहा, यूपी : बच्चों को पढ़ाने के लिए खेल और अलग-अलग गतिविधियों का इस्तेमाल करती हैं।

जोधपुर में शुरू हुआ 'वीर गार्जियन 2026' युद्धाभ्यास

आसमान में गरजेगी भारत और जापान की संयुक्त ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है।

मजबूत होंगे दोनों देशों के रिश्ते- भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा। इससे भारत और जापान के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन और मजबूत होंगे। बता दें कि एक्सरसाइज वीर गार्जियन 2026 एक द्विपक्षीय हवाई युद्ध है।

'ऑपरेशन अशदर' में मारे गए आतंकी की पहचान

● पहलगाम आतंकी हमले में था शामिल, सेना ने किया ढेर ● अंतिम आतंकी का भी खात्मा, पाक से निकला कनेक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन अशदर में मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तानी का रहने वाला था।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन के बाद मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली गई है। यह पाकिस्तान के रहने वाला था और वहां के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़ा था। पुलिस ने लखा है कि आप भाग सकते हैं लेकिन छिप नहीं सकते। इस आतंकी का पहलगाम आतंकी हमले से भी कनेक्शन जुड़ रहा है।

पहलगाम के हमलावरों का साथी था यासिर

पहलगाम हमले के बाद जब आतंकवादियों की तस्वीर जारी की गई थी। उसमें यासिर भी शामिल था। ऑपरेशन अशदर में पाकिस्तान के रहने वाले इस आतंकवादी को मार गिए जाने को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों को मारा था। सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुल चार आतंकियों की एक संयुक्त तस्वीर जारी की थी। इसमें सुलेमान शाह, जुनैद रमजान, हाशिम मूसा के साथ यासिर की तस्वीर थी।

राजस्थान-एमपी और यूपी में झमाझम बारिश

● सभी नदियां उफान पर, स्कूल बंद, बिहार में बाढ़ ● 6.65 लाख लोग प्रभावित, चारधाम यात्रा रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी में लगातार बारिश हो रही है। एमपी के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। शिवपुरी-मुरैना समेत 7 जिलों में स्कूल बंद हैं। राजस्थान के धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर में शनिवार को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर में रातभर हुई बारिश के कारण तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट आई है। झालावाड़ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर ऐक्टिव है। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का यलो

अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। गंगा-यमुना समेत 10 से अधिक नदियों के उफान पर होने से प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है वहीं बिहार में भी 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए स्वतंत्र भारद्वाज

निशु आजाद के पिता से मारपीट मामले में ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान निशु आजाद के पिता से मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले भारद्वाज को पुलिस ने पकड़ा था अब उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में संबंधित जज के आवास पर शनिवार को स्वतंत्र भारद्वाज की पेशी हुई। जिसके बाद उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में जज ने भेजा है। यह मामला प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय आजाद संग मारपीट की घटना से जुड़ा है। वहीं 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज के सपोर्ट में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने पर्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाद प्रदर्शन भी किया है। स्वतंत्र भारद्वाज पर जिस कथित मारपीट की घटना को लेकर कार्रवाई हो रही ये पूरा मामला जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान का है। हालांकि अब ये सुर्खियो इसलिए आया क्योंकि स्वतंत्र भारद्वाज ने दो दिन पहले ही एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि उसने प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय का सिर फोड़ दिया था और उन्हें 60 टांके लगे थे। घटना के बाद संजय को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से ले जाया गया।

भारत ने सिंधु नदी पर बनाया पत्थरों का बांध

10 फीट तक बढ़ा जलस्तर, बढ़ेगी पाक की मुश्किल

लेह (एजेंसी)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें की सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा

उठाया था। **लेह के लिए बनाया पत्थरों का बांध-** लेह जिले के उप्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा। इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे। ढांचे में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है। लद्दाख के किसान इस डैम के पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अब तक सूखे रहते थे खेत

लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है। भले ही इससे बिजली उत्पादन संभव नहीं है, पर लद्दाख के किसानों के लिए यह योजना वरदान बनेगी।

तमिलनाडु में स्कूल के खाने में मिलवाया गोबर पाउडर

पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं। जांच में पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सत्यमंगलम ब्लॉक विकास अधिकारी की सलाह पर हेडमिस्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोबर पाउडर सिर्फ टीचर्स के लिए रखे गए सांभर के सैंपल में मिला था।

पेंग्विन इंडिया की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ

–सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन पर पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र पर साधा निशाना

जयपुर, एजेंसी।
कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के संस्मरण (मेमॉयर) बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव के प्रकाशन को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रकाशक पेंग्विन इंडिया के पीछे हटने को लेकर सीधे तौर पर केंद्र सरकार और पीएमओ को कठघरे में खड़ा किया। गहलोत ने दो टूक कहा कि प्रकाशक की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ है, लेकिन दुनिया की कोई भी ताकत इस सच को सामने आने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि तय तारीख यानी 10 नवंबर 2026 को ही यह पुस्तक दुनिया के सामने आएगी। दुनिया में छप सकती है तो भारत में क्यों नहीं? पेंग्विन की खुली पोल अशोक गहलोत ने प्रकाशक की भूमिका और सरकारी हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए कहा।

गहलोत ने कहा कि पेंग्विन की मूल अंतरराष्ट्रीय संस्था इस किताब को मूल स्वरूप में पूरे विश्व में प्रकाशित करने को तैयार है। जब दुनिया भर के पाठक इसे पढ़ सकते हैं, तो भारत के पाठकों से इसे क्यों छिपाया जा रहा है? इस विरोधाभास ने पेंग्विन इंडिया की पूरी पोल खोलकर रख दी है। पूर्व सीएम ने तर्क दिया कि पीएमओ और सरकार पर लगातार गंभीर आरोप लग रहे हैं कि वे पीएम मोदी, आरएसएस और चीन से जुड़े अंशों को हटाने का दबाव बना रहे थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से एक शब्द का भी खंडन न आना यह साबित करता है कि मौन रहकर इन आरोपों को स्वीकार कर लिया गया है।

सोनिया गांधी की राजनीतिक विरासत का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि वे कोई सामान्य हस्ती नहीं हैं। वे देश की नेता प्रतिपक्ष रही हैं और 22 सालों से ज्यादा समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति को दिशा दी है। उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और अनुभवों को सेंसर करने का प्रयास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। गहलोत ने खुलासा किया कि जैसे ही यह बात सार्वजनिक हुई कि पेंग्विन इंडिया ने पांडुलिपि छापने से हाथ पीछे खींच लिए हैं, देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों ने इसे छापने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिए हैं। गहलोत ने पूर्ण विश्वास जताया कि नया प्रकाशक सामने आएगा, किताब अपने तय मानकों के साथ छपेगी और घोषित तिथि 10 नवंबर को ही इसका विमोचन होगा।

आए दिन मस्जिदों को अवैध बताकर उनको ध्वस्त करना ठीक नहीं : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को भारी संख्या में तैनात पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई जिला अदालत के फैसले के बाद की गई है। वहीं कैराना की सांसद इकरा हसन को उनके घर पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। इस घटनाक्रम पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा– ज़िला सहारनपुर की मस्जिद समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपाधापी में अवैध बताकर उनको ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चलाया जा रहा है वह ठीक नहीं है और सरकार को ऐसे निगेटिव हालात से बचने के लिए इस पर तुरन्त रोक लगाकर इसके समाधान के उपाय करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे भी एक संवैधानिक सेक्युलर सरकार द्वारा सभी धर्मों के मानने वालों एवं उनके धार्मिक स्थलों आदि का समान आदर–सम्मान और उनकी सुरक्षा करने का उत्तरदायित्व होता है। इस्लाम मज़हब में मस्जिदें हर दिन इबादत बल्कि दिन में कई बार जमात के साथ नमाज़ पढ़ने का मुख्य और अभिन्न अंग हैं, जिसको ध्यान में रखकर व भारतीय परम्परा के मुताबिक सम्मान देना देश व व्यापक जनहित में ज़रूरी है। इसके साथ ही, बिना नियम–क़ानून का समुचित अनुपालन किए किसी भी अभियुक्त का मकान ध्वस्त करके उसके पूरे परिवार को सामूहिक तौर पर सजा देकर बेघर कर देने की कार्रवाईयों से भी लोग काफी विचलित हैं। ऐसे में बसपा सरकार की तरह का 'क़ानून द्वारा क़ानून का राज' का व्यवहार ज़रूरी है।

ओडिशा में बाढ़ का कहर थमा, 2 लाख लोग अब भी प्रभावित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से राहत की खबर है। शुक्रवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति में व्यापक सुधार देखा गया, जहां सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। हालांकि, बालासोर और जाजपुर जिलों के 303 गांवों में लगभग दो लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। सामान्य जनजीवन पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान जारी हैं। राजस्व विभाग के अनुसार, बालासोर जिले के 241 गांवों में 1,90,974 लोग और जाजपुर जिले के 62 गांवों में 7,745 लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। मयूरभंज, क्योंझर, केंद्रापड़ा और भद्रक समेत अन्य जिलों में भी नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन सेवा की कुल 28 टीमें तैनात हैं। बालासोर में 111 और जाजपुर में 22 राहत शिविर संचालित हैं, जहां बालासोर से 16,582 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। जल संसाधन विभाग ने पुष्टि की कि किसी भी प्रमुख नदी में अब बाढ़ की स्थिति नहीं है; सुवर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 8 सितंबर तक ओडिशा के लिए कोई विशेष बारिश की चेतावनी जारी नहीं की है।

मुंबई एचसी का बड़ा आदेश : सीवर में मौत पर 30 लाख मुआवजा दे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई उच्च न्यायालय ने सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर महाराष्ट्र सरकार की एक नीति रद्द करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने खतरनाक सफाई कार्य में मारे गए श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी नियोक्ताओं पर डालने वाली नीति को असंवैधानिक करार दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने राज्य सरकार को ऐसे मृत श्रमिकों के आश्रितों को तत्काल 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। सरकार बाद में यह राशि संबंधित निजी संस्थाओं से वसूल सकती है। न्यायालय ने राज्य को छह महीने के भीतर खतरनाक सफाई कार्य (2013 अधिनियम के तहत परिभाषित) के दौरान मरने वाले सभी लोगों की पहचान करने का भी निर्देश दिया है।अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा, हम चंद्रमा तक पहुंचने का दावा करते हैं, लेकिन हमारे देश में जाति व्यवस्था का सामाजिक कलंक अब भी कायम है, जो कुछ नागरिकों को मानवीय गरिमा से नीचे का काम करने को मजबूर करता है। न्यायालय ने अफसोस जताया कि संविधान अपनाने के 75 साल बाद भी देश इस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है।

बडगाम में छिपे हैं 2 आतंकी, सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू (एजेंसी)। बडगाम के यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पहुंचकर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़ शुरू हो गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है कि दोनों आतंकी पाकिस्तान से संबंधित हैं। फिलहाल सुरक्षाबल मौके पर मौजूद हैं और अलर्ट पर हैं। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है और सर्च ऑपरेशन जारी है।

बेंगलुरु में कर्ज न चुकाने पर महिला का निर्वस्त्र वीडियो बनाया

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्ज और ब्याज न चुकाने के विवाद को लेकर बेंगलुरु में एक महिला के साथ हैवानियत का बेहद चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। घटना के विवरण सुनकर किसी की भी रूह कांप सकती है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला ने लगभग दो साल पहले रेशमा बानू से एक लाख रुपये उधार लिए थे, और बाद में रेशमा के जरिए नाजत नामक व्यक्ति से पचास हजार रुपये और लिए। शुरुआत में महिला नियमित रूप से किस्त और ब्याज का भुगतान करती रही, लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद यह भुगतान रुक गया। बताया गया है कि करीब छह महीने से ब्याज नहीं दिया गया था, और पिछले दो महीने से किस्त भी नहीं चुकाई गई थी। जब महिला ने रेशमा का नंबर ब्लॉक कर दिया और अपनी मां के घर चली गई, तो मामले ने एक खतरनाक और आपराधिक मोड़ ले लिया। आरोप है कि महिला को काम दिलाने के बहाने एक विशेष स्थान पर बुलाया गया, जहाँ पहले से ही रेशमा बानू, उसका पति सुहैल और नाजत मौजूद थे। पुलिस के दावे के अनुसार, वहाँ महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उस पर कथित तौर पर चाकू से भी हमला किया गया। इसके बाद, उसे जबरन एक ऑटो रिक्शा में बैठाया गया और कुंबलगोडु के पास एक घर में ले जाया गया। वहाँ उसे कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ फिर से मारपीट की गई। मामले का सबसे वीभत्स और जघन्य पहलू यह है कि महिला को निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया गया और उसे धमकाया गया कि यदि उसने कर्ज की रकम और ब्याज नहीं चुकाया तो उस वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा। इस जघन्य घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला अचानक लापता हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

-एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली और एनसीआर में शनिवार को लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का हो रही है। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने शनिवार दिन भर गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को मौसम में सुधार होने की संभावना है और 8 सितंबर तक इस इलाके में मौसम सूखा रहेगा।

शुक्रवार को दिल्ली में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया और ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई। दिल्ली और गुरुग्राम के कई हिस्सों में खासकर कनॉट प्लेस, लुटियंस दिल्ली, साइबर सिटी कमर्शियल हब, शंकर चौक और शीतला माता रोड जैसी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक जाम रहा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ, जिससे कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा कि भारी बारिश हुई, जिसके कारण अप्रोच रोड और फोरकोर्ट वाले इलाकों में पानी जमा हो गया। जमा पानी को कुछ समय में हटा दिया गया। खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन पर भी पड़ा, जिससे कुछ उड़ानें देरी से चलीं और कुछ को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के बाद दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक में भी सुधार हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को एक्यूआई 71 दर्ज किया गया। जो संतोषजनक श्रेणी में आता है।

छात्रों पर लाठीचार्ज गलत: सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान जुटे युवाओं पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने गहरी निराशा व्यक्त की है। न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने पुलिस द्वारा किया गया लाठीचार्ज को बेहद परेशान करने वाली घटना करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि छात्र अपने अलग विचार रखते हैं, तो उनके खिलाफ दंडात्मक रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भुइयां ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों पर इस तरह से अत्याचार करना बहुत ही निराशाजनक है और यह एक सभ्य समाज में अस्वीकार्य है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों से जिस निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, वह पूरी तरह से गायब नजर आ रही है।

न्यायाधीश भुइयां ने पुलिस को आम लोगों का भरोसा बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है कि जिन पीड़ितों के मानवाधिकार का उल्लंघन किया गया है, उन्हें उसका

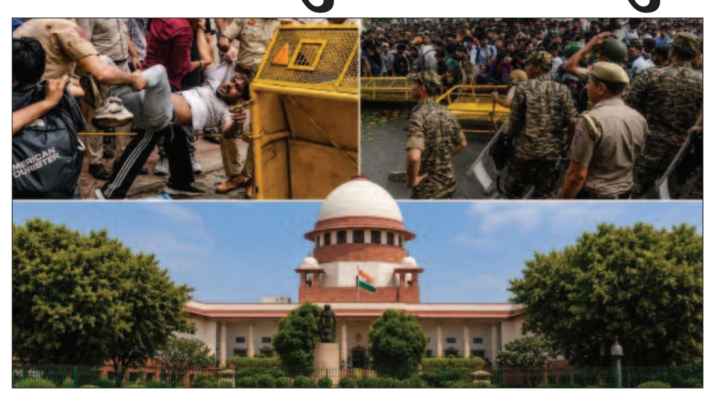

मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को चाहिए कि वह बिना ज्यादा बल प्रयोग किए कानून व्यवस्था बनाए रखे। उन्होंने आगे कहा कि आम लोगों के लिए एक वर्दीधारी पुलिस वाले की पहचान सरकार से प्राप्त ताकत और अधिकारों के रूप में होती है। यदि किसी को कोई परेशानी होती है, तो वह पुलिस से मदद मांगता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि पुलिस अपनी विश्वसनीयता बनाए रखे, जिससे लोग उस पर भरोसा कर सकें और न्याय की उम्मीद कर सकें।

न्यायाधीश भुइयां ने आगाह किया कि जब सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने वाले बन जाते हैं, तो इससे अराजकता को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने लगें, तो इससे कानून के प्रति अनादर पैदा होगा और समाज में अव्यवस्था फैलेगी। कोई भी सभ्य देश ऐसी स्थिति को स्वीकार नहीं कर सकता, जहां कानून के रक्षक ही उसका उल्लंघन करने लगें। न्यायाधीश भुइयां ये महत्वपूर्ण टिप्पणियां पूर्व सचिव (सुरक्षा) यशोवर्धन आजाद की लिखी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे, जो राजधानी के वायसराय हॉल में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, जब हम इंडियन पुलिस सर्विस के युवा अधिकारियों को खुद जाकर प्रदर्शनकारियों और प्रदर्शन करने वालों के साथ मारपीट करते देखते हैं, तो हम सभी को निराशा होती है। यह पहली बार नहीं है जब न्यायपालिका ने छात्रों के अधिकारों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। छात्रों के विचारों को लेकर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी खुलकर कहा था कि उन्हें किसी भी बात का विरोध करने का पूरा अधिकार है। जब भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने हैदराबाद के एक लॉ इंस्टीट्यूट के छात्रों के रजिस्ट्रेशन को बैन करने की बात कही, तो मुख्य न्यायाधीश ने फटकार लगाते हुए कहा था कि छात्रों और उनके विचारों के बीच किसी को नहीं आना चाहिए। ये न्यायिक टिप्पणियां लोकतंत्र में विरोध के अधिकार और पुलिस की जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं: जिलाधिकारी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय कक्ष में जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उच्चतम न्यायालय के निदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और सड़क की स्थिति को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे किसी भी दशा में अतिक्रमण न होने दिया जाए। इसके लिए गश्ती दलों को तत्काल सक्रिय करने के साथ ड्रोन सर्वे के माध्यम से अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और सड़क संबंधी खामियों की पहचान करने को कहा गया। उन्होंने परिवहन विभाग को पुलिस, प्राधिकरण और जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर संयुक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्य सड़क और किनारे भारी वाहनों की पार्किंग पर प्रभावी रोक लगाने तथा निर्धारित समय सीमा में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी

ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स प्रत्येक पखवाड़े राजमार्ग सुरक्षा की समीक्षा करेगी। बिना प्राधिकरण अथवा लोक निर्माण विभाग की पूर्व अनुमति के राजमार्ग सुरक्षा क्षेत्र में किसी प्रकार का अनुज्ञापत्र या अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी अथवा नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। दुर्घटना संभावित स्थलों का उपचार, आपातकालीन सेवाओं और टोल-फ्री हेल्पलाइन 1033 को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन ने राजमार्ग किनारे व्यापारियों और परिवहन संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए अवैध ढाबे और कब्जे स्वयं हटाने तथा भारी वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा करने को कहा। बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक यातायात निशा यादव, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग डीके सिंह, अधिशासी अभियंता एनएचएआई सुरेश तोमर, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन रोशनाबाद में हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पुलिस लाइन रोशनाबाद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस लाइन के विशाल प्रांगण में मुख्य मार्ग के किनारे जनपद के सभी थानों की ओर से आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जिन्होंने पुलिस परिवारों के साथ पहुंचे आमजन का ध्यान खींचा। झांकियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चे, युवा और बुजुर्ग झांकियों की तस्वीरें अपने मोबाइल में कैद करते और सेल्फी लेते नजर आए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह अपने परिवार एवं पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचे और विभिन्न झांकियों का आनंद लिया। इसके बाद बहुउद्देशीय सभागार में प्रशिक्षु आरक्षियों तथा पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गायक

कलाकार विकास भारद्वाज, सूरज बंडवाल, संगीता ढोंडियाल और अज्जू तोमर के गीतों पर कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस अधिकारी देर रात दुर्गा मंदिर पहुंचे। मंदिर में आकर्षक सजावट के साथ चारधाम की विशेष झांकी सजाई गई थी। शुभ मुहूर्त में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही अधिकारियों ने बारी-बारी लड्डू गोपाल को झूला झुलाया और जन्मोत्सव मनाया। इसके बाद उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। जन्मोत्सव के दौरान हुई आतिशबाजी से पूरा क्षेत्र रोशनी और उल्लास से भर उठा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात निशा यादव, पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद्र सुयाल, पुलिस अधीक्षक नगर अभय सिंह, पुलिस अधीक्षक संचार विपिन कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

डीएवी विद्यालय गांधीनगर में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

गांधीनगर/दिल्ली (शिखर समाचार)।
डीएवी विद्यालय गांधीनगर में शनिवार को भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और उनके अमूल्य योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना रहा। कार्यक्रम में निगम पार्षद एवं दिल्ली की पूर्व महापौर नीमा भगत, विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा, प्रबंधक गिरजेश रस्तोगी, विद्यालय प्रमुख लखीराम, पुरातन छात्र रतनेश बिश्नोई, सामाजिक कार्यकर्ता पवन जैन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह-बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा, भाजपा कार्यकर्ता राजेश शर्मा तथा

विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि नीमा भगत ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति रहे। उन्होंने शिक्षा को मानव जीवन के विकास और समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम माना। उनके जन्मदिवस को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। विद्यालय प्रबंधक गिरजेश

रस्तोगी ने कहा कि शिक्षक वह मार्गदर्शक है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, ईमानदारी, संस्कार और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे शिक्षक ही देश के भविष्य के लिए जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। सतीश शर्मा ने अपने गुरुओं का स्मरण करते हुए शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। विद्यालय प्रमुख लखीराम ने सभी अतिथियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया, जबकि विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। ये उपहार राजेश शर्मा के सौजन्य से प्रदान किए गए। विद्यालय परिवार की ओर से शिक्षकों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का संचालन नरेश चौहान ने किया। मीडिया से एनपी सिंह शौर्य प्रताप तथा सीसीएन चैनल से अतुल शर्मा और नवीन भी उपस्थित रहे। समारोह ने विद्यालय परिवार में आपसी सौहार्द, एकता, प्रेम और शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में 170 शिकायतें पहुंचीं, 14 का मौके पर निस्तारण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शासनादेश के अनुसार माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में जनपद की तीनों तहसीलों में समाधान दिवस आयोजित किया गया। तीनों तहसीलों में कुल 170 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 14 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। सदर तहसील में जिला अधिकारी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 45 शिकायतें प्राप्त हुईं और सात शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। यहां राजस्व, पुलिस, नगर पालिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। लोनी तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और उपजिलाधिकारी दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां 29 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें चार का मौके पर निस्तारण किया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। मोदीनगर तहसील में उपजिलाधिकारी

कोमल पंवार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में सबसे अधिक 96 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतकर्ताओं को समय पर राहत उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

बच्चों को आधुनिक तकनीक के साथ संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों से जोड़ें : मोहित बेनीवाल

शामली (शिखर समाचार)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को विकास भवन सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जनपद के विभिन्न विकास क्षेत्रों से चयनित 31 शिक्षकों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की चार शिक्षिकाओं सहित कुल 35 शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान गोरखपुर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। मोहित बेनीवाल ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के तौर-तरीकों में तेजी से बदलाव आया है। नई पीढ़ी के बच्चों को आधुनिक तकनीक, कृत्रिम

बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और अन्य तकनीकी संसाधनों से परिचित कराने के साथ अनुशासन, संस्कार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को समय के अनुरूप तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिला समन्वयक प्रशिक्षण अंजू चौहान ने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर आयोजित समारोह में 31 शिक्षक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की चार शिक्षिकाएं सम्मानित की गईं। इसके अलावा शैक्षणिक संसाधन व्यक्ति और राज्य संसाधन समूह के सदस्यों को भी सम्मान प्रतीक दिए गए। ऊन विकासखंड के शिक्षक राहुल चौधरी ने कविता के माध्यम से शिक्षक की महिमा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन सचिन कुमार ने किया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

खरखौदा में एसजेएस मोटर्स के नए केंद्र का भव्य शुभारंभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। टाटा मोटर्स के ग्राहकों के लिए मेरठ जिले के खरखौदा में एसजेएस मोटर्स के नए अत्याधुनिक बिक्री एवं सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरीश वाघ ने फीता काटकर किया। नए केंद्र के शुरू होने से मेरठ और आसपास के क्षेत्रों के वाहन ग्राहकों को स्थानीय स्तर पर वाहन खरीदने के साथ सेवा एवं रखरखाव की सुविधा उपलब्ध होगी। उद्घाटन के बाद गिरीश वाघ ने नए परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने टाटा मोटर्स के वाहनों में उपलब्ध आधुनिक तकनीक, मजबूती और सुरक्षा सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सड़कों के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन, मजबूत निर्माण और सुरक्षा के कारण टाटा वाहनों ने ग्राहकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। कंपनी का प्रयास है कि ग्राहकों को बेहतर बिक्री के साथ बिक्री के बाद की सेवाएं भी उनके नजदीक उपलब्ध कराई जाएं। एसजेएस मोटर्स के अध्यक्ष राजवीर सिंह ने नए केंद्र के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी टीम और कर्मचारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा और मेहनत के बल पर संस्थान ने यह नया आयाम हासिल किया है। नए केंद्र के संचालन से क्षेत्रवासियों को वाहन खरीद, रखरखाव और मरम्मत के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर कुशल तकनीशियनों के माध्यम से सेवाएं मिलने से ग्राहकों के समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

शिक्षक दिवस पर 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। शनिवार को जेएमएस वर्ल्ड स्कूल के सभागार में शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा हूण, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉ. सुमन अग्रवाल सहित 30 शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा हूण और भाजपा नेता मोहन सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज में सदैव सम्माननीय स्थान रखता है। वर्तमान समय में शिक्षण कार्य पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। अभिभावक अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना चाहते हैं, ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने कहा कि शिक्षक दिवस सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचकर शिक्षा और शिक्षक समुदाय का गौरव बढ़ाया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व और कृतित्व से शिक्षक समुदाय को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में डॉ. सुमन अग्रवाल, मुकेश कुमार, कोमल त्यागी, पूनम, नेहा, गरिमा, इंदु, राजेंद्र यादव, सुशील, सोनिका सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

69 साल बाद राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक को मिला सम्मान, विद्यालय में लगाया गया चित्र

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस इस बार विशेष रहा। वर्ष 1967 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यालय के शिक्षक मुमताज अहमद खान को 69 वर्ष बाद विद्यालय परिवार ने याद किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक के चित्र को प्रधानाचार्य कक्ष में स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि एवं सम्मान अर्पित किया गया। पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक मुकेश सिन्हा ने मुमताज अहमद खान का चित्र विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार को भेंट किया। उन्होंने मुमताज अहमद खान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह केवल महान शिक्षक ही नहीं, बल्कि समर्पित समाजसेवक भी थे। उन्होंने आजीवन अविवाहित रहकर अपने वेतन का आधे से अधिक हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा पर खर्च किया। उनका जीवन त्याग, सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने कहा कि मुमताज अहमद खान के बारे में लंबे समय से सुनते आए हैं, लेकिन चित्र के माध्यम से आज उन्हें विद्यालय में अपने बीच महसूस करने का अवसर मिला है। उन्होंने उन्हें महाविद्यालय और जनपद का गौरव बताया। शिक्षक अजय कुमार यादव ने मुमताज अहमद खान को ऐसा शिक्षक बताया, जिन्होंने स्वयं कठिनाइयां सहकर अनेक विद्यार्थियों का भविष्य संवारा। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद तैयब अंसारी ने किया। उन्होंने मुमताज अहमद खान से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाते हुए शिक्षकों और विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। शिक्षक रोहित कुमार, तनवीर उर रहमान, मोहम्मद उस्मान, शिक्षिका मोनिका राजपूत, शबाना और यास्मीन ने भी विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार रखे तथा देशभक्ति गीत पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आरोग्य प्रभात काव्य संकलन का विमोचन, मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। देवी उमरा कौर वैदिक इंटर कॉलेज, बन्नत के सभागार में डॉ. प्रीतम सिंह प्रीतम द्वारा रचित काव्य संकलन आरोग्य प्रभात के विमोचन, प्रतिभा अलंकरण एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शामली विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि भारत गांवों का देश है और गांवों में ही देश की संस्कृति का वास्तविक स्वरूप बसता है। संस्कृति के संरक्षण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भावनाओं में ही भारत की आत्मा दिखाई देती है और ग्रामीण बच्चों में देश का भविष्य बसता है। उन्हें बेहतर शिक्षा, उचित अवसर और प्रोत्साहन देकर राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। डॉ. राजेंद्र पाल सिंह ने आरोग्य प्रभात काव्य संकलन की आवश्यकता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय संबोधन में गुलवीर सिंह

ने कहा कि भारत को उत्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि मंडल और जनपद स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ आरोग्य भारती से जुड़ी पुस्तक का प्रकाशन भी विद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। समारोह में कक्षागत टॉपरों के अलावा मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले इंटरमीडिएट के मंडल एवं जनपद टॉपर अश्विनी कुमार को सम्मानित किया गया। हाईस्कूल जिला टॉपर सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। कवि सम्मेलन में पवन कुमार पवन, डॉ. प्रीतम सिंह प्रीतम, गजेंद्र कौशिक गजानन, राम कुमार रागी, शिवानी गोस्वामी, अनिल पोपट कामचोर, एसडी रेखा चौहान, सुधीर जगधर और अर्जुन बंजारा ने काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। संचालन अरुण शर्मा और दीपा मलिक ने संयुक्त रूप से किया। डॉ. अमित मलिक, डॉ. आशीष भारद्वाज और प्रशांत ने भी विचार रखे। संयोजक डॉ. देवेंद्र पाल सिंह राणा ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट की मस्जिद पर चला प्रशासन का बुलडोजर, भारी सुरक्षा के बीच ध्वस्तीकरण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में शनिवार को प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। यह कार्रवाई जिला अदालत द्वारा मस्जिद पक्ष की अपील खारिज किए जाने के बाद की गई। इससे पहले नगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित निर्माण को हटाने का आदेश दिया था। जिला अदालत ने शुक्रवार को नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा, जिसके बाद प्रशासन ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में कार्रवाई की। प्रशासन का कहना है कि संबंधित निर्माण सरकारी भूमि पर था और इसे अनधिकृत माना गया था। कार्रवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में भारी पुलिस बल, प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी तथा अन्य सुरक्षा बल तैनात रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कलेक्ट्रेट के प्रवेश द्वार बंद कर बाहरी लोगों की आवाजाही

सीमित कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकरण में नगर मजिस्ट्रेट की अदालत ने जुलाई में निर्माण हटाने का आदेश दिया था। इसके विरुद्ध मस्जिद पक्ष ने जिला अदालत में अपील की थी, लेकिन शुक्रवार को अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद प्रशासन ने आदेश के अनुपालन में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। कार्रवाई के बीच कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने सहारनपुर पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें उनके आवास से बाहर निकलने से रोक दिया। दूसरी ओर, प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रखा गया है। घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं और क्षेत्र में स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 120 शिकायतें पहुंचीं, नौ का मौके पर निस्तारण

बिजनौर (शिखर समाचार)। मुरादाबाद मंडल की आयुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में तहसील चांदपुर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील परिसर पहुंचने पर मंडलायुक्त को पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनके प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 120 शिकायती एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से नौ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के संबंध में मंडलायुक्त ने संबंधित

अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापरक और निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार संबंधित अधिकारी शिकायतों का स्थलीय परीक्षण कराकर तथ्यों की जांच करें और नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करें। समाधान दिवस में लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे कई फरियादी भी मंडलायुक्त के समक्ष पहुंचे। उन्होंने अपनी समस्याएं बताते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। मंडलायुक्त ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह सुनिश्चित किया जाए।

बहुचर्चित रामडोल जुलूस कड़ी सुरक्षा के बीच निकला, नौ अखाड़ों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित एवं ऐतिहासिक श्री रामडोल जुलूस को शनिवार को हल्की बारिश के बीच कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाला गया। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी के बीच निकले जुलूस में चार आकर्षक झांकियां, नौ अखाड़े और श्रीकृष्ण का भव्य डोला शामिल रहा। स्टेशन रोड से शुरू हुआ जुलूस तहसील रोड होते हुए बड़ा मंदिर मुक्तेश्वर नाथ पहुंचा, जहां

पूजा अर्चना के बाद मंदिर के पंडित विपिन चंद्र त्रिपाठी श्रीकृष्ण के डोले के साथ सुसज्जित वाहन में सवार हुए। इसके बाद जुलूस नगर के प्रमुख बाजारों से होकर आगे बढ़ा। जुलूस में राधा कृष्ण, महाभारत, अर्जुन भीष्म पितामह, कंस कारागार में देवकी वासुदेव तथा गोवर्धन से संबंधित आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। विश्नोई समाज, मंदिर खोखर नाथ, मौनी महाराज, सैनी समाज कायस्थ सराय, सुनारों का बाजार, सैनी समाज लाल सराय, बजरंग बली कलालान, भोलानाथ बाजार गज और मंदिर मुक्तेश्वर नाथ के अखाड़ों ने भाग लिया। बैंड की मधुर धुनों के बीच अखाड़ों के उस्ताद और खलीफाओं के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने ढोल की थाप पर विभिन्न करतब दिखाए। जुलूस बाजार गंज, सराफा बाजार, बारादरी, जामा मस्जिद और थाने के सामने से होता हुआ रात करीब आठ बजे श्रीकृष्ण गौशाला के निकट ब्राह्मणी वाला तालाब पहुंचा। यहां भगवान श्रीकृष्ण के पोतड़े धोने की परंपरागत रस्म के साथ जुलूस का समापन हुआ। थाने के सामने अखाड़ा प्रदर्शन के बाद पुलिस अधिकारियों ने उस्ताद और खलीफाओं को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया।

नितिन मलिक के क्षेत्रीय मंत्री बनने पर भाजपाइयों ने दी बधाई

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भाजपा नेता नितिन मलिक को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय मंत्री बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके मुजफ्फरनगर स्थित आवास पर पहुंचकर बधाई दी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनीत कात्यायन कार्यकर्ताओं के साथ नितिन मलिक के आवास पर पहुंचे। उन्होंने नवनियुक्त क्षेत्रीय मंत्री नितिन मलिक तथा क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य रोहिल वाल्मीकि का माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विनीत कात्यायन ने कहा कि नितिन मलिक को संगठन में क्षेत्रीय मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नितिन मलिक के अनुभव, सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को मिलेगा तथा कार्यकर्ताओं को भी नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में कार्य करने पर जोर दिया। बधाई देने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने भी नितिन मलिक को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी। इस दौरान भारत ठाकुर, सुषमा पुंडीर, शाहिद असलम, मुकेश शर्मा, मुनीष त्यागी, रवि प्रताप सिंह, आकाश ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 105 शिकायतें पहुंचीं, 10 का मौके पर निस्तारण

शामली (शिखर समाचार)। शनिवार को जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 105 शिकायतें प्राप्त हुईं और 10 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। तहसील कैराना में जिलाधिकारी आलोक यादव ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर शिकायतों की जांच करें और वास्तविक स्थिति के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। कैराना तहसील में कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें चार का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील शामली में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां 49 शिकायतें प्राप्त हुईं और चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इसी प्रकार तहसील ऊन में अपर जिलाधिकारी सत्येन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें दो का मौके पर ही समाधान किया गया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस अधिकारियों को पुलिस से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान समय से सुनिश्चित हो।

संक्षिप्त समाचार

फोन की लत से मुक्ति के लिए हॉबी से जुड़ रहे युवा

बरेली , एजेंसी। फोन की लत से छुटकारा पाने के लिए युवा अनोखे तरीके अपना रहे हैं। खुद को डिजिटल डिटॉक्स करने के लिए वे अपनी हॉबी और काम से जुड़ रहे हैं। उनका मानना है कि काम और शौक में व्यस्त रहने से ध्यान फोन पर कम जाता है। कई युवा पेंटिंग बना रहे हैं। कुछ खेलों के जरिये खुद को डिजिटल डिटॉक्स कर रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि फोन की लत हर वर्ग के लोगों को है। अक्सर दस मिनट का संदेश पढ़ने के चक्कर में व्यक्ति घंटों दूसरे एप्लिकेशन पर बिता देता है। इसका असर हमारी भावनात्मक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर पड़ता है।

बंदर के हमलों से जंगल तिकोनिया में दहशत, कई ग्रामीण घायल

गोरखपुर , एजेंसी। जंगल धूसड़ (गोरखपुर)। पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगल धूसड़ अंतर्गत ग्राम जंगल तिकोनिया नंबर दो में बंदर के लगातार हमलों से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई दिनों से गांव में घूम रहा बंदर कई लोगों को घायल कर चुका है। इससे ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों के मुताबिक, बंदर राहगीरों के साथ बच्चों और महिलाओं पर भी हमला कर रहा है। अखिलेश निषाद, रामगन, हरीशचंद्र और सुग्गी कुमारी समेत कई लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।स्थानीय स्तर पर साझा तस्वीरों में एक घायल युवक के हाथ, चेहरे और पैर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। कुछ घायलों को उपचार कराना पड़ा है। ग्रामीणों ने बंदर के हमलों की शिकायत हेल्पलाइन पर भी दर्ज कराई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले का संज्ञान लेकर गांव में आवश्यक कार्रवाई की जाए और बंदर को सुरक्षित तरीके से पकड़ने की व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और किसी अप्रिय घटना की आशंका टाली जा सके। वहीं इस मामले में वन विभाग के रेंजर अखिलेश तिवारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बंदरों की शिकायत के लिए ग्राम पंचायत के प्रधान को जिम्मेदारी दी गई है।

पुनर्विकसित नंदन वन पार्क से रेलवे कॉलोनी में बढ़ी हरियाली, आधुनिक सुविधाओं से सजा पार्क

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे की रेलवे स्टेडियम कॉलोनी स्थित नंदन वन पार्क को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया गया है। शुक्रवार को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने कॉलोनी की बच्ची से फीता कटवाकर पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान अपर महाप्रबंधक विनोद कुमार शुक्ल सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पार्क के सुंदरीकरण के तहत करीब 200 विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। इनमें मौलश्री, मोरपंखी, चांदनी, अशोक, चंपा, मोगरा और कश्मीरी गुलाब शामिल हैं। पार्क में त्रिभुजाकार वॉकिंग पाथवे, हरी घास, आकर्षक प्रवेश द्वार, एलईडी लाइट और हाईमास्ट लाइट भी लगाई गई हैं। महाप्रबंधक ने पार्क का निरीक्षण करने के साथ पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पार्क को आधुनिक रूप देने का उद्देश्य रेलकर्मियों और उनके परिवारों को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है। पुनर्विकसित पार्क से बच्चों को खेलने के लिए बेहतर स्थान मिलेगा। साथ ही कॉलोनीवासियों को टहलने, शारीरिक फिटनेस और मनोरंजन की सुविधा मिलेगी। पार्क लोगों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देगा।

एलडीए के 139 फ्लैटों पर त्योहारी छूट, इस तारीख से मिलेगा एक से दो लाख तक का लाभ

लखनऊ , एजेंसी। जो लोग शहर में अपना आशियाना बनाना चाह रहे हैं उन लोगों के लिए अच्छी खबर है। जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपनी चार बहुमंजिला आवासीय योजनाओं के 139 फ्लैटों के लिए विशेष छूट लेकर आया है। इसमें फ्लैट खरीदने पर एक से दो लाख रुपये तक की छूट दी जाएगी। यह त्योहारी ऑफर चार सितंबर से 14 सितंबर तक के लिए ही है। एलडीए वीसी ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में आदेश जारी जारी कर दिया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि यह छूट पहले आओ-पहले पाओ योजना में उपलब्ध चुनिंदा फ्लैटों पर मिलेगी। फ्लैट खरीदने के लिए आवेदक को ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी। जो फ्लैट खाली हैं उनमें उनमें वन बीएचके, टू बीएचके और थ्री बीएचके के हैं। खरीदारों को जो छूट मिलेगी उसमें 20 लाख से 50 लाख रुपये तक के फ्लैट पर 01 लाख रुपये की छूट मिलेगी। वहीं, 50 लाख से 75 लाख रुपये कीमत के फ्लैट पर 1.5 लाख रुपये की छूट और 75 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले फ्लैट पर 02 लाख रुपये की छूट प्रदान की जाएगी।

कब्जे में गुम हुई आधी हुई सड़क, अब चौड़ीकरण में बाधा

बरेली , एजेंसी। सीएम ग्रिड योजना फेज-3 के तहत 31 करोड़ रुपये से ईंट पजाया से महर्षि कश्यप तिराहे तक सड़क को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाना है, लेकिन अतिक्रमण इसमें बाधक बन रहा है। हालत यह है कि 160 फुट चौड़ी सड़क का आधा हिस्सा कब्जों में गुम हो गया है। अब 225 लोगों को नोटिस भेजकर 15 दिनों में साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। इसके बाद इन मकानों, दुकानों व धार्मिक स्थलों पर नगर निगम की ओर से बुलडोजर चलाया जाएगा।नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, डेढ़ किमी लंबी सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण है। कहीं आठ तो कहीं 20 फुट तक लोगों ने पक्के निर्माण करके सड़क पर कब्जा कर रखा है। इस वजह से इस मार्ग पर रोजाना जाम लगता है। इससे सड़क चौड़ीकरण के काम में भी बाधा आ रही है। इस अतिक्रमण को हटाए बिना सीएम ग्रिड योजना का काम शुरू करना मुमकिन नहीं हैं।अब नगर निगम के सख्त रवैये से स्थानीय दुकानदारों, कबाड़ व फर्नीचर का कारोबार करने वाले लोगों में खलबली मची है।

ठेकेदारों की कुंडली खंगाल रही एसआईटी

फर्जी कागजात और 40-20-40 का कमीशन खेल, नपेगी अधिकारियों की गर्दन

कानपुर, एजेंसी। कानपुर नगर निगम के भ्रष्टाचार की परतें खोलने के लिए एसआईटी ब्लैक लिस्टेड ठेकेदारों की कंपनियों के टेंडर से संबंधित कागजात खंगाल रही है। इसमें हैसियत, चरित्र और अनुभव प्रमाणपत्र पत्रों को देखा जा रहा है। यदि इन प्रमाणपत्रों में कमी मिली, तो ठेकेदारों के साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों की भी गर्दन नप सकती है। इसी के चलते नगर निगम के अधिकारी भी कागज देने में सहयोग नहीं कर रहे थे।

इस पर पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त प्रथम अनूप कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। बता दें कि पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रहार शुरू किया था। पहले ही दिन पांच ठेकेदारों की कंपनियां ब्लैक लिस्टेड कर धोखाधड़ी से टेंडर लेने के आरोप में छह प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

वे कितने सही और कितने गलत हैं

दो ठेकेदारों को जेल भी भेजा गया था। सीपी ने एडीसीपी के नेतृत्व में चार लोगों की एसआईटी गठित की थी। एक सप्ताह भीतर एसआईटी दो-तीन बार नगर निगम निगम जाकर टेंडर प्रक्रिया से संबंधित अभिलेख कब्जे में ले चुकी है। सूत्रों के अनुसार एआईटी जांच कर रही है कि टेंडर लेने के लिए ठेकेदारों ने जिन कागजातों का प्रयोग किया है, वे कितने सही और कितने गलत हैं।

बड़े-बड़े टेंडर पाने के लिए किन-किन कागजों में क्या-क्या गड़बड़ियां की गई हैं। यदि किसी भी कागज में गड़बड़ी मिलती है तो ठेकेदार के अलावा उन कागजों पर टेंडर स्वीकृत करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इनमें चरित्र प्रमाण पत्र भी देखा जा रहा है। इसके तहत किसी ठेकेदार का क्रिमिनल रिकॉर्ड तो नहीं है। इसके साथ ही कम अनुभव वाले तो काम नहीं करा रहे थे। टेंडर लेने वाले ठेकेदार का अनुभव, उसने कितने तक के काम (धनराशि) किए हैं। इसमें एक प्रमाणपत्र बैंक और दूसरा नगर निगम अथवा दूसरा वह विभाग जिसका कभी काम किया हो, का लगता है।

बाबुओं से लेकर अधिकारियों तक को कमीशन की चढ़ौती– सूत्रों के अनुसार, नगर निगम में कई वर्षों से 40-20-40 का खेल चल रहा था। इसके तहत चहेते ठेकेदार कागजों में तमाम कमियों के बाद भी करोड़ों के टेंडर पाते हैं तो उन्हें इसके बदले में बाबुओं से लेकर अधिकारियों तक को कमीशन की चढ़ौती चढ़ानी पड़ती है। तब जाकर अगली टेंडर प्रक्रिया में भी शामिल होने का रास्ता बनता है। इसका खामियाजा खस्ताहाल सड़कों के रूप में आम जनता को भुगतना पड़ता है।

हैसियत और सिक्योरिटी मनी में होता था फर्जीवाड़ा

बताया जाता है कि ठेकेदारों के हैसियत प्रमाणपत्र और सिक्योरिटी मनी के कागजों में दो साल पहले तक खूब फर्जीवाड़ा होता था। अधिकतर ठेकेदार हैसियत प्रमाणपत्र का नवीनीकरण कराए बगैर ही टेंडर हासिल कर लेते थे। इसी तरह सिक्योरिटी मनी के नाम पर पूर्व में फर्जी एफडी लगाए जाने के मामले भी प्रकाश में आ चुके हैं। फिलहाल अब एफडी के स्थान पर कैश जमा कराया जाता है।

हापुड़ की शिक्षा की मिसाल बनीं डॉ. सुमन अग्रवाल, शिवा पाठशाला को बनाया निपुण विद्यालय

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के कलेक्टर गंज स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला आज हापुड़ नगर क्षेत्र का एकमात्र निपुण विद्यालय है, लेकिन वर्ष 2011 में इसकी स्थिति बेहद खराब थी। जब डॉ. सुमन अग्रवाल ने प्रधानाध्यापिका का कार्यभार संभाला, तब विद्यालय की इमारत जर्जर थी, एकमात्र शौचालय पर ताला लगा था, पेयजल की व्यवस्था नहीं थी और बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ने को मजबूर थे। विद्यालय में केवल 15 से 20 बच्चे ही आते थे।

डॉ. सुमन अग्रवाल ने परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय विद्यालय को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी वेतन राशि से विद्यालय का फर्श और छत बनवाई। इसके बाद विद्यालय की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए लंबा संघर्ष किया। करीब 35 वर्षों से कब्जे में रही सरकारी जमीन को उन्होंने प्रयासों के बाद कब्जामुक्त कराया। बताया गया कि इस जमीन की कीमत करीब 50 लाख रुपये है। सरकारी सहयोग और अपने स्तर पर किए गए प्रयासों से यहां विद्यालय भवन का

निर्माण कराया गया।

भवन बनने के बाद उन्होंने बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया। सीमित संसाधनों और पर्याप्त स्थान के अभाव के बावजूद उन्होंने 250 से अधिक घरों का दौरा कर अभिभावकों को बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। इसका परिणाम यह हुआ कि विद्यालय में नामांकन बढ़कर 102 तक पहुंच गया।

विद्यालय में अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामान्य ज्ञान के लिए पूर्व निर्धारित पाठ योजनाओं के माध्यम से शिक्षण कराया जाता है। नवाचार, बेहतर सीखने के परिणाम और शून्य विद्यालय छोड़ने की स्थिति उनका प्रमुख लक्ष्य रहा है। विद्यालय के विद्यार्थी जिला और मंडल स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं। एक मूक-बधिर विद्यार्थी ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कई विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता हासिल कर चुके हैं।

शिक्षा के साथ डॉ. अग्रवाल ने मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत उन्होंने बच्चों और आम लोगों के माध्यम से गली-मोहल्लों में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता अभियान चलाए, जिसके लिए प्रशासन की ओर से उन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है। बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ ऐतिहासिक और सामाजिक स्थलों के भ्रमण के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ना उनकी कार्यशैली की विशेष पहचान बन गई है।

बदनौली गोलीकांड के बाद पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ नगर क्षेत्र के बदनौली गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट, पथराव और फायरिंग की घटना के बाद पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने लापरवाही के आरोप में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। सीओ सिटी को हटाकर कार्यालय और पुलिस लाइन भेजा गया है, जबकि सदर कोतवाल को लाइन हाजिर किया गया है। एक चौकी प्रभारी और बीट हेड कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस विभाग में कई अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को बदनौली गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट, पथराव और फायरिंग शुरू हो गई। गोलीबारी में चार लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर

सवाल उठे थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया लापरवाही के आरोप में सीओ सिटी अनीता चौहान को सीओ कार्यालय एवं पुलिस लाइन भेजा गया है। सीओ क्राइम दीपक चतुर्वेदी को नया सीओ सिटी बनाया गया है, जबकि सीओ कार्यालय में तैनात जितेंद्र शर्मा को सीओ क्राइम की जिम्मेदारी दी गई है।

सदर कोतवाल मनीष चौहान को लाइन हाजिर करते हुए कपूरपुर थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार को हापुड़ नगर का नया कोतवाल बनाया गया है। मीडिया सेल प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह को कपूरपुर थाने का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

घटना में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने पर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक जगतपाल और बीट हेड कांस्टेबल मोनू मलिक को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मालखाने में रखी अल्ट्रासाउंड मशीन सील

भ्रूण को लड़की बताने वाली आशा भेजी जेल

अलीगढ़ , एजेंसी। रामघाट रोड स्थित केसी सिंघल अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच के मामले में शुक्रवार को कार्रवाई का सिलसिला आगे बढ़ा। मामले की जांच कर रहे एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री अस्पताल पहुंचे और संबंधित कागजात खंगाले। वहां से मिली जानकारी के बाद वह सीधे महुआखेड़ा थाने पहुंचे। जहां मालखाने में रखी अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया। एक दिन पहले पुलिस ने अस्पताल से इस मशीन को कब्जे में लिया था। भ्रूण को लड़की बताने वाली आरोपी आशा कमलेश शर्मा को पुलिस ने जेल भेज दिया।

सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम (पीसी पीएनडीटी) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस दोनों अलग अलग जांच कर रहे हैं। पुलिस से सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल जाकर पूछताछ की और थाने पहुंचकर अल्ट्रासाउंड मशीन को सील किया। सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की है जिसे जिलाधिकारी को सौंप दिया है।

जिलाधिकारी ने इस रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के आधार पर एक जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए जिसमें स्वास्थ्य विभाग और पीसी पीएनडीटी नोडल अधिकारी शामिल हैं। अब ये

समिति इस मामले में अस्पताल की भूमिका को लेकर जांच करेगी। इस मामले में अस्पताल का पंजीकरण तक रद्द किया जा सकता है।

दरअसल हाथरस के निनामई गांव के मनोज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी गर्भवती पत्नी 26 अगस्त को धनीपुर मंडी निवासी आशा कार्यकर्ता कमलेश शर्मा के कहने पर रामघाट रोड स्थित केसी सिंघल अस्पताल गई थीं। वहां डॉ. सविता सिंघल ने अल्ट्रासाउंड किया। मनोज के मुताबिक, जांच के बाद चिकित्सक ने गर्भ में बेटी होने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद आशा कार्यकर्ता ने गर्भपात कराने के लिए महिला को गोली भी दी। मनोज का कहना है कि दो सितंबर को महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और करीब 17 सप्ताह का गर्भ गिर गया। उन्होंने दावा किया कि गिरा हुआ भ्रूण लड़के का था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डॉ. सविता सिंघल और आशा कार्यकर्ता कमलेश शर्मा के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। तीन सितंबर को पुलिस ने गिरफ्तार आशा कार्यकर्ता का फोटो और बयान भी जारी किया।

अस्पताल पहुंची टीम, कागजात की जांच शुरू : सीएमओ डॉ. आरएन सिंह के निर्देश पर एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री को जांच अधिकारी बनाया गया है। शुक्रवार को वह अस्पताल पहुंचे और प्रकरण से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू की। इसी दौरान पता चला कि अल्ट्रासाउंड मशीन पुलिस के कब्जे में महुआखेड़ा थाने के मालखाने में रखी है। इसके बाद टीम थाने पहुंची और मशीन को सील कराया। आशा कमलेश शर्मा की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए हरदुआगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक को भी निर्देश दिए गए हैं।

शक्ति नगर के सनातन मंदिर में धूमधाम से मना कृष्ण जन्मोत्सव, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

बिजनौर (शिखर समाचार)। बैराज रोड स्थित शक्ति नगर-साईं विहार कॉलोनी के सनातन मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को फूलों, आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया। शाम होते ही मंदिर श्रद्धालुओं से भर गया और परिसर में जय श्रीकृष्ण के जयकारे गूंजने लगे। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में आकर्षक ढंग से सजाई गई भगवान श्रीकृष्ण की झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। उत्सव के दौरान महिलाओं की ओर से विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया। महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और भक्ति पर आधारित मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने तालियों के साथ भजनों का आनंद लिया और कई श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। आयोजकों ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। देर शाम तक मंदिर परिसर में भक्तों का आना-जाना लगा रहा और वातावरण कृष्ण भक्ति से सराबोर रहा।

कलक्ट्रेट के पांचों गेट सील, आरएएफ समेत भारी पुलिस बल तैनात, पुलिस पर भड़की सपा सांसद

सहारनपुर , एजेंसी। सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद में शनिवार अलसुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों गेट सील कर दिए। किसी भी बाहरी व्यक्ति को परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। सुरक्षा के लिए आरएएफ समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

जिला जज के आदेश के बाद शुरू हुई कार्रवाई : मस्जिद हटाने की कार्रवाई दो सितंबर को जिला जज की अदालत के आदेश के बाद शुरू की गई। जेसीबी, डंपर और अन्य मशीनें रात में ही कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचा दी गई थीं। इसके बाद शनिवार सुबह धीरे-धीरे मस्जिद के ढांचे को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

पांचों गेट सील, बाहरी लोगों की एंट्री बंद : ध्वस्तीकरण से पहले ही कलेक्ट्रेट परिसर के पांचों प्रवेश द्वार सील कर दिए गए। किसी बाहरी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई।

अन्य जिलों से भी बुलाया गया पुलिस बल : पुलिस-प्रशासन और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने मस्जिद हटाने से पहले जिलेभर के माहौल का जायजा लिया। खुफिया इनपुट जुटाने के बाद शुक्रवार देर शाम से परिसर के आसपास पुलिस की आवाजाही बढ़ गई थी।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए अन्य जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। शनिवार सुबह कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

24 मार्च 2025 को दाखिल हुई थी याचिका : मस्जिद को लेकर विवाद की शुरुआत शिकायत के बाद हुई। बजरंग दल के पूर्व

प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने मस्जिद के संबंध में शिकायत की थी। इसके बाद 24 मार्च 2025 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पीपी एक्ट के तहत याचिका दाखिल की गई।

सिटी मजिस्ट्रेट ने मस्जिद को अवैध करार दिया था : 16 जुलाई 2026 को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने मस्जिद को अवैध करार देते हुए 6.41 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष की ओर से 20 जुलाई 2026 को जिला जज की अदालत में याचिका दाखिल की गई।

17 तारीखों की सुनवाई के बाद 2 सितंबर को फैसला : जिला जज की अदालत में मामले की 17 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद दो सितंबर को अदालत ने सिटी मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखते हुए मस्जिद पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की।

सहारनपुर जाने से पहले इकरा हसन हाउस अरेस्ट : इसी मामले को लेकर कैराना सांसद इकरा हसन को सहारनपुर जाने से पहले उनके कैराना स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट किए जाने की बात सामने आई है। बताया गया कि सांसद सहारनपुर जाने के लिए घर से निकल रही थीं, तभी भारी संख्या में पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया।

इकरा हसन बोलीं- जनता की आवाज उठाना अपराध है क्या? : हाउस अरेस्ट किए जाने के बाद इकरा हसन ने कहा कि उन्हें सहारनपुर जाने से रोकने के लिए उनके आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और उन्हें घर से निकलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि वह सहारनपुर कलेक्ट्रेट मस्जिद प्रकरण के संबंध में अधिकारियों से मिलने और क्षेत्र की जनता की आवाज उनके सामने रखने के लिए सहारनपुर जाना चाहती थीं।

सांसद ने सवाल उठाया कि क्या एक निर्वाचित सांसद का जनता से जुड़े मुद्दे पर अधिकारियों से मिलना भी अपराध हो गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की आवाज उठाने के लिए चुने जाते हैं और उन्हें रोककर उस आवाज को दबाया नहीं जा सकता।

सुरक्षा के बीच शुरू हुई कार्रवाई : कलक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद के ढांचे को हटाने की कार्रवाई जारी है। पुलिस-प्रशासन की पूरी नजर आसपास के माहौल पर बनी हुई है।

वेयरहाउस में एफएलसी कार्यों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मेघा रूपम ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वेयरहाउस में चल रहे प्रथम स्तर की जांच कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जांच प्रक्रिया की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत जानकारी बैठक आयोजित की गई। संबंधित अधिकारियों ने प्रतिनिधियों को प्रथम स्तर की जांच के तहत निर्वाचन मशीनों की जांच से जुड़ी निर्धारित व्यवस्थाओं और प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के अनुसार प्रथम स्तर की जांच का पूरा कार्य पारदर्शिता के साथ कराया जाए। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए और उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं को व्यवस्थित

बनाए रखने तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रथम स्तर की जांच निर्धारित समयसीमा में सुचारु रूप से पूरी की जाए, जिससे आगामी निर्वाचन संबंधी तैयारियां समय से पूरी की जा सकें। इस दौरान भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अश्वनी गोयल, बूथ अध्यक्ष मानिक चंद शर्मा, सपा उपाध्यक्ष कपिल सैफी, बसपा जिला सचिव डॉ. रविन्द्र तोमर, जिला कोषाध्यक्ष इंसाद अली, अनील कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सहारनपुर जाने से पहले कैराना सांसद इकरा हसन को आवास पर रोका

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद से जुड़े प्रकरण को लेकर अधिकारियों से मुलाकात और वार्ता करने जा रहीं कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने उनके आवास पर रोक दिया। सांसद के सहारनपुर रवाना होने से पहले कैराना पुलिस ने उन्हें आवास पर नजरबंद कर दिया। इस दौरान उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सांसद इकरा हसन ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अब किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को अधिकारियों से मिलने के लिए भी अनुमति लेनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता की आवाज उठाने और उनकी समस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए चुने जाते हैं। ऐसे में उन्हें अधिकारियों से मिलने से रोकना उचित नहीं है। सांसद के आवास पर उनकी मां और पूर्व सांसद तबस्सुम हसन भी मौजूद रहीं। उन्होंने भी पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनका परिवार किसी दबाव या डर के कारण पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि वे जनता की सेवा के लिए हैं और किसी भी परिस्थिति से डरने वाले नहीं हैं। सांसद के आवास पर पुलिस अधिकारियों और परिवार के सदस्यों के बीच काफी देर तक बातचीत होती रही। इस दौरान इकरा हसन ने प्रशासन से सवाल किया कि जनता से जुड़े किसी मामले में अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी बात रखना अपराध कैसे हो सकता है। पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया है और राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

इरॉस सम्पूर्ण सोसायटी में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (शिखर समाचार)। इरॉस सम्पूर्ण सोसायटी में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। रिमझिम बारिश के बावजूद सोसायटी निवासियों का उत्साह कम नहीं हुआ। बच्चों से लेकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों तक सभी ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे परिसर में कृष्ण भक्ति का वातावरण बना रहा। सोसायटी के बुद्धा पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बाहर से आए कलाकारों ने राधा-कृष्ण की मनमोहक लीलाओं का मंचन किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। स्थानीय कलाकारों और बच्चों ने भी विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनका उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया।

जन्माष्टमी के अवसर पर देवस्थानम मंदिर और न्यू फेस में भी विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। भक्ति गीतों और धार्मिक कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बुद्धा पार्क में आयोजित महोत्सव के दौरान सुबह की बैठक समूह की ओर से सोसायटी के वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय नेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज एवं सोसायटी के लिए योगदान देने वाले लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजन के साथ परिसर में मेले का भी आयोजन हुआ, जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजनों और खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए। बच्चों और महिलाओं ने मेले का खूब आनंद लिया।

रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर पूरा परिसर जय श्रीकृष्ण और नंद के घर आनंद भयो के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। बारिश के बावजूद देर रात तक उत्सव का माहौल बना रहा। आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सहभागिता का सुंदर संदेश दिया।

संपूर्ण समाधान दिवस में 189 शिकायतें दर्ज, 12 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों ने आमजन की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। तीनों तहसीलों में कुल 189 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील दादरी में उपजिलाधिकारी अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में सबसे अधिक 102 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें सात

शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। तहसील जेवर में उपजिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जहां 82 शिकायतें प्राप्त हुईं और दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायतकर्ता को प्रभावी राहत उपलब्ध कराई जाए। समाधान दिवस के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पहुंचीं। अधिकारियों ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों को अपनी शिकायतों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

गिन्नी देवी मोदी महाविद्यालय में संस्थापना दिवस और शिक्षक दिवस मनाया

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गिन्नी देवी मोदी बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 5 सितंबर को संस्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत हवन के साथ हुआ। हवन में महाविद्यालय की प्राचार्या एवं संरक्षिका प्रो. पूनम शर्मा सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने

सहभागिता की। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की गौरवशाली यात्रा, शैक्षणिक उपलब्धियों और संस्थान से जुड़े मूल्यों को याद किया गया। उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महाविद्यालय की निरंतर प्रगति और गौरव को बनाए रखने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की उपलब्धियों और शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुए हवन के बाद मंगलकामनाएं की गईं और सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जेवर टोल फ्री सुविधा के लिए शुरू होगी सरल पंजीकरण व्यवस्था

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल पर स्थानीय नागरिकों और पात्र किसान परिवारों के लिए टोल मुक्त सुविधा को सरल बनाने की दिशा में पंजीकरण व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रस्तावित व्यवस्था का उद्देश्य पात्र लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना है। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से सरल और सुविधाजनक बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत ऑनलाइन पंजीकरण प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे क्यूआर संकेतक के माध्यम से मोबाइल फोन से आसानी से भरा जा सकेगा। पंजीकरण के दौरान आवेदक का नाम, गांव या कस्बे का नाम, मोबाइल नंबर, पात्रता संबंधी जानकारी, वाहन पंजीकरण संख्या तथा फास्टैग से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करानी होगी। एक

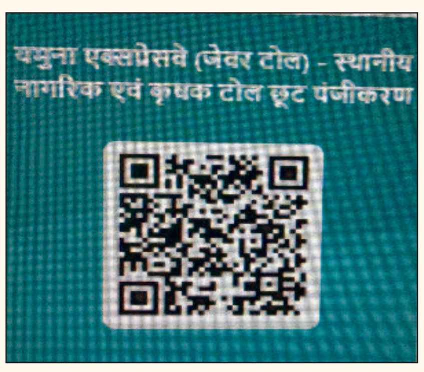

वाहन के लिए एक ही आवेदन की व्यवस्था की जाएगी, जिससे दोहरे पंजीकरण पर रोक लगाई जा सके। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित दस्तावेजों और पात्रता का सत्यापन किया जाएगा। दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर आवेदक को इसकी सूचना देकर सुधार का अवसर दिया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र वाहन को टोल संचालक की प्रणाली से जोड़कर फास्टैग आधारित टोल मुक्त सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। ऑनलाइन पंजीकरण में परेशानी महसूस करने वाले नागरिकों के लिए स्थानीय स्तर पर सहायता केंद्र और पंजीकरण शिविर भी लगाए जाएंगे। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह क्षेत्रवासियों और पात्र कृषक परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। उनका प्रयास है कि टोल राहत का लाभ पात्र लोगों तक बिना अनावश्यक परेशानी के पहुंचाया जाए और पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक से अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए।

सचिन पायलट ने मोदी-योगी सरकार पर साधा निशाना, बेरोजगारी और जातिगत जनगणना का उठाया मुद्दा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी की ओर से शनिवार को गाजियाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर निशाना साधा और कांग्रेस का पक्ष रखा।

सचिन पायलट ने उत्तराखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कथित जातिगत भेदभाव और शुद्धिकरण की घटना की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावी वादों पर सवाल उठने पर पाकिस्तान, हिंदू-मुस्लिम और मंदिर-मस्जिद जैसे मुद्दों को सामने लाकर जनता का ध्यान भटकाती है।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर

पायलट ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सामाजिक न्याय के लिए जातिगत जनगणना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मांग को लेकर प्रतिबद्ध है और सत्ता में आने पर इसे पूरा कराएगी।

जेन-जी और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, प्रश्नपत्र लीक और अग्निवीर जैसे विषयों को लेकर युवाओं में नाराजगी है। उन्होंने जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन को सरकार के लिए चेतावनी बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समझा जाना चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा, महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, नसीम कुरैशी, पूर्व विधान परिषद सदस्य हरेंद्र अग्रवाल, विजेंद्र यादव, हरेंद्र कसाना, बबली नागर, इस्माइल खान, सूर्यकांत सूर्य, विजयपाल चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। पायलट ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विनीत त्यागी को बधाई दी।

दुजाना में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर आयोजित

दादरी (शिखर समाचार)। तहसील दादरी क्षेत्र के दुजाना गांव स्थित राम कौर बालिका विद्यालय में माता दयावती की स्मृति में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के गांवों के साथ-साथ दूरदराज क्षेत्रों से पहुंचे जरूरतमंद मरीजों की आंखों की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। आयोजनकर्ता ओमवीर आर्य ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से प्रत्येक माह की पांच तारीख को लगातार निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों को आंखों से संबंधित उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में मोतियाबिंद की जांच, चिकित्सकीय परामर्श और पात्र मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से आयोजित हो रहे इन शिविरों का लाभ बड़ी संख्या में लोग उठा रहे हैं। मरीजों को उपचार के साथ आंखों की देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जाती है। शिविर में पहुंचे मरीजों ने निशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा मिलने पर आयोजनकताओं का आभार व्यक्त किया। आयोजनकताओं ने बताया कि भविष्य में भी प्रत्येक माह निर्धारित तिथि पर इस प्रकार के निशुल्क शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

बाल मित्र केंद्र पर शिक्षक दिवस मनाया, कलरिपयट्टू प्रशिक्षण शुरू

गाजियाबाद/साहिबाबाद (शिखर समाचार)। समाधान अभियान संस्था की ओर से इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित ह्यचुप्पी तोड़, हल्ला बोलह्न परियोजना के अंतर्गत शनिवार को बाल मित्र केंद्र पर शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति एवं शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में साहिबाबाद थाने के थाना प्रभारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साहिबाबाद थाना मिशन शक्ति टीम तथा दिवाकर मॉडल पब्लिक स्कूल के शिक्षक अमित भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व और शिक्षकों के योगदान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर भारत की प्राचीन पारंपरिक युद्ध

कला कलरिपयट्टू के नि :शुल्क प्रशिक्षण सत्र का भी शुभारंभ किया गया। संस्था प्रबंधक दीपा रानी ने बच्चों को कलरिपयट्टू का प्रशिक्षण दिया और उन्हें आत्मरक्षा के साथ अनुशासन एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी। संस्था की संस्थापक अर्चना अग्निहोत्री ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ उनकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के विकास के अवसर भी उपलब्ध कराना जरूरी है। कार्यक्रम में बाल मित्र केंद्र से जुड़े बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और जागरूकता बढ़ाना है।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस, शिक्षकों का किया सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शुक्रवार को शिक्षक दिवस कृतज्ञता और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. आरके सहगल, निदेशक रघुवर दत्त, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन सहित सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं और वर्ष 2022 बैच के विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम की विषयवस्तु हमारे मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभों का सम्मान रखी गई।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में मधुर गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को भावपूर्ण बना दिया। इसके अलावा शिक्षकों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही संस्थान की ओर से सभी शिक्षकों को उपहार भेंट किए गए।

संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष डॉ. रम्या रामचंद्रन ने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का समर्पण और मार्गदर्शन विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समाधान दिवस में 116 शिकायतें, 21 का मौके पर निस्तारण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तीनों तहसीलों में कुल 116 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 21 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया। जिलाधिकारी कविता मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

धौलाना तहसील में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरता और शांतिपूर्वक सुनकर उनका समयसीमा के भीतर समाधान किया जाए। जिन मामलों में जांच की आवश्यकता हो, उनमें अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करें और रिपोर्ट के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि समाधान दिवस की शासन स्तर से लगातार निगरानी की जाती है, इसलिए प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी

चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने के भी निर्देश दिए। गढ़मुक्तेश्वर तहसील में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां 52 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं हापुड़ तहसील में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 32 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर समाधान किया गया। तीनों तहसीलों में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में ऑपरेशन अशदर का संदेश

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई एक बार फिर इस बात का संकेत दे रही है कि आतंक के नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने की लड़ाई केवल मुठभेड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे छिपे पूरे तंत्र को पहचानना और निष्प्रभावी करना भी उतना ही आवश्यक है। बडगाम के अशदर गली क्षेत्र में चलाए गए ऑपरेशन अशदर में एक आतंकी के मारे जाने और बाद में उसकी पहचान पाकिस्तान के नागरिक यासिर के रूप में होने से इस अभियान का महत्व और बढ़ गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस के अनुसार यासिर प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पुलिस ने इंटरनेट मीडिया पर संदेश भी दिया कि आतंकवादी भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते। इस कार्रवाई की शुरूआत किसी अचानक हुई मुठभेड़ से नहीं, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों को मिली विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर हुई। सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त रूप से अशदर गली में तलाशी अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकियों को चुनौती दी और जवाब में गोलीबारी शुरू हुई। इसके बाद हुई मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। मौके से एक एके श्रेणी की राइफल तथा अन्य युद्ध सामग्री बरामद हुई। शुरूआती सूचना में आतंकी की पहचान स्पष्ट नहीं थी और क्षेत्र में अन्य आतंकियों के छिपे होने की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान जारी रखा गया। यासिर की पहचान सामने आने के बाद यह अभियान केवल एक आतंकी के मारे जाने की खबर नहीं रह जाता। यह उस पुराने और गंभीर प्रश्न को फिर सामने लाता है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को लगातार बाहरी समर्थन और घुसपैठ के जरिए जीवित रखने की कोशिशें किस प्रकार होती रही हैं। यदि मारा गया आतंकी वास्तव में पाकिस्तान का नागरिक और लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य था, तो यह तथ्य इस बात को रेखांकित करता है कि सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला ढांचा अभी भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई इसलिए केवल घाटी में मौजूद बंदूकधारियों से नहीं, बल्कि उनके प्रशिक्षण, वित्त, हथियार, संचार और सीमा पार से मिलने वाले निदेशों के पूरे नेटवर्क से है। यासिर को लेकर सामने आई जानकारी इस अभियान को और गंभीर बनाती है। रिपोर्टों के अनुसार उसका संबंध वर्ष 2024 में भारतीय वायुसेना के काफिले और नागरिकों पर हुए हमलों से भी जोड़ा गया है। यदि किसी आतंकी की भूमिका पहले के हमलों में रही हो और वह लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी के बावजूद सक्रिय बना रहा हो, तो उसके खात्मे को केवल एक सामरिक उपलब्धि मानना पर्याप्त नहीं होगा। इससे यह भी सीख मिलती है कि आतंकवादी नेटवर्क के बचे हुए संपर्कों, स्थानीय मददगारों और वित्तीय स्रोतों की पहचान कितनी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सुरक्षा बलों की सफलता के साथ साथ खुफिया तंत्र की भूमिका भी सामने आती है। दुर्गम पहाड़ी और घने जंगल वाले क्षेत्रों में आतंकियों की मौजूदगी का पता लगाना अपने आप में कठिन काम है। बडगाम के ऊंचाई वाले इलाके में चलाया गया अभियान बताता है कि आतंकवादी अब भी ऐसे दुर्गम क्षेत्रों को सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। सुरक्षा बलों द्वारा संदिग्ध गतिविधि को समय रहते पहचानना और संयुक्त अभियान के जरिए कार्रवाई करना आतंकवाद विरोधी रणनीति की मजबूती को दशार्ता है। इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पहलू भी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में केवल सैन्य कार्रवाई पर्याप्त नहीं हो सकती। स्थानीय समाज को आतंकियों के प्रभाव से मुक्त रखना, युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से बचाना, संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों पर निगरानी रखना और आतंकवादियों के लिए किसी भी प्रकार के स्थानीय सहयोग की गुंजाइश समाप्त करना भी उतना ही जरूरी है। सुरक्षा बल किसी आतंकी को हथियार के साथ मार सकते हैं, लेकिन उस विचार को समाप्त करने के लिए समाज, प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व को मिलकर काम करना पड़ता है जो युवाओं को हिंसा की ओर धकेलता है।

~ मौलिक चिंतन ~

संपन्न व्यक्ति को कोसने मात्र से कोई गरीब संपन्न नहीं हो सकता।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती

कांतिलाल मांडोत

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी...

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निमार्णों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है।

बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है।

प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी। इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें।

आइआइटी संस्थानों में क्यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी हैं। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है।

आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आंकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरूआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं।

विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटर्नशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित असंवेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है।

आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थागत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है। एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसलिंग सेवाएं, २४ घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं। यदि ऐसा है तो हालात इतना खराब क्यों बने हैं कि आए दिन छात्र जान दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स भी इस मुद्दे पर काम कर रही है। लेकिन रिपोर्ट और कमेटियां तब तक अनुपयोगी हैं, जब तक उनकी सिफारिशें जमीनी स्तर पर लागू न किया जाए।

सरकार को इस ओर तत्काल प्रभाव से गंभीरता से कारवाई करनी चाहिए। देश के होनहार छात्र इस तरह जान गंवाने के लिए नहीं है। हर मौत पूरे परिवार को तोड़ देती है वही समाज खासकर उचच शिक्षण संस्थान की प्रतिष्ठा और गरिमा पर भी सवालिया निशान लगा रहीं हैं। हालांकि बताना जरूरी है कि सरकारी स्तर से संकट को देखते हुए छात्र संगठनों की मांगों के बाद कई कदम उठाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली मामले की जांच के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बाहरी समिति का गठन किया गया है, जिसमें एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख और छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं।पाठ्यक्रम में लचीलापन लाया गया है। संस्थानों ने शैक्षणिक भार कम करने, पहले सेमेस्टर में क्रेडिट कम करने और वीकेंड परीक्षाओं को सीमित करने जैसे नीतिगत बदलाव शुरू किए हैं।मानसिक स्वास्थ्य सहायता परिसरों में 24/7 काउंसलिंग हेल्पलाइन, वेलनेस सेंटर और मेंटरशिप प्रोग्राम बढ़ाए जा रहे हैं ताकि समय रहते मानसिक संकट से जूझ रहे छात्रों की पहचान की जा सके।छात्रों और उनके परिजनों का भी कर्तव्य है कि वह अपने परिवार या परिचित छात्र छात्राओं के सम्पर्क में रहें कोई अवसाद या असामान्य बात का आभास मिलते ही संस्थान को अवगत कराएं ताकि समय पर काउंसलिंग कर छात्र को आत्मघाती होने से बचाया जा सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

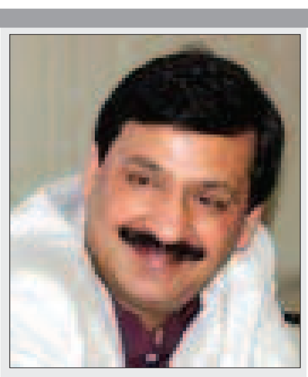

प्रो. संजय द्विवेदी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, काट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है।

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिपोर्ट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्न मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरूआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरूआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है । परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी-प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि । नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हू। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

अंतर ढूंढो

कहानी क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घो षणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे-हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

आरबीआई ने ट्रांसयूनियन सिबिल समेत पांच कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में पांच कंपनियों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक नेयह जानकारी दी। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, ट्रांसयूनियन सिबिल पर 26,82,800 रुपये, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 6,89,600 रुपये, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 1,19,400 रुपये, सम्मान फिनसर्व पर 4.20 लाख रुपये और हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ट्रांसयूनियन सिबिल, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज और इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज निर्धारित अवधि के भीतर कुछ पात्र शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में मुआवजे की राशि जमा करने में विफल रहीं। इस उल्लंघन के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया।इसके अलावा, सम्मान फिनसर्व ने अपने कर्जदार की ऋण संबंधी जानकारी सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स (सीआरआईएलसी) को नहीं दी थी।आरबीआई ने कहा कि हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस ने सूक्ष्म वित्त ऋणों के मूल्य निर्धारण को लेकर बोर्ड से मंजूर नीति लागू नहीं की थी।

ई-कॉमर्स निर्यात से छोटे शहरों के कारोबारियों को मिलेगी मदद- विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के सरकारी उपायों से देश के छोटे शहरों के व्यापारियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।उन्होंने कहा कि हथकरघा, हस्तशिल्प और आभूषण जैसे क्षेत्रों से जुड़े कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद वैश्विक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। पायोनियर इंडिया के एक अ अे धिकारी ने कहा, 'ई-कॉमर्स करूर, पानीपत, जयपुर, मुरादाबाद या तिरुपुर के किसी विक्रेता को अपनी वृद्धि यात्रा के काफी शुरुआती दौर में ही विदेशी खरीदारों तक पहुंचने की गुंजाइश दे रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ग्राहकों की खोज केवल पहला कदम है और छोटे निर्यातकों को सीमा पार भुगतान के ऐसे भरोसेमंद बुनियादी ढांचे की भी आवश्यकता है जो ऑर्डर की संख्या बढ़ने पर उनका समर्थन कर सके। उन्होंने कहा, 'यह बदलाव न केवल भारत के निर्यात के मूल्य को बदल सकता है, बल्कि यह भी तय कर सकता है कि निर्यात आधारित आर्थिक गतिविधियां कहां संचालित होंगी। पारंपरिक निर्यात मॉडल ने अक्सर स्थापित विदेशी साझेदारों, व्यापक वितरण नेटवर्क और भारी मात्रा में खेप संभालने की क्षमता वाले बड़े व्यवसायों का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स छोटे विक्रेताओं को अपेक्षाकृत कम मात्रा के ऑर्डर से शुरुआत करने की अनुमति देकर इनमें से कुछ शुरुआती बाधाओं को कम करता है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत को 2030 तक ई-कॉमर्स के माध्यम से 350 अरब अमेरिकी डॉलर के वस्तु निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए।

वायरल देसाई को नाइट फ्रैंक इंडिया की कमान

अगले साल अप्रैल से संभालेंगे पद

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने घोषणा की है कि अनुभवी वायरल देसाई अगले साल अप्रैल से कंपनी के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। देसाई वर्तमान में कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक-लेनदेन के पद पर कार्यरत हैं और उनकी यह पदोन्नति कंपनी के नेतृत्व ढांचे को मजबूत करेगी। कंपनी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, देसाई 2007 में नाइट फ्रैंक से जुड़े थे और फिलहाल ऑक्यूपियर स्ट्रैटेजी एंड सॉल्यूशंस (ओएसएस), औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स, पूंजी बाजार और खुदरा एजेंसी कारोबार जैसे महत्वपूर्ण विभागों का प्रबंधन करते हैं। अपनी नई भूमिका में, देसाई कारोबार की सभी सेवाओं की प्रत्यक्ष निगरानी करेंगे और नाइट फ्रैंक इंडिया की वृद्धि के अगले चरण के लिए एक एकीकृत नेतृत्व ढांचा प्रदान करेंगे। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल हैं। इस नियुक्ति पर नाइट फ्रैंक के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सीईओ क्रेग शुट ने कहा कि भारत कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण और सफल वैश्विक कारोबारों में से एक है। मुंबई स्थित नाइट फ्रैंक इंडिया के प्रमुख शहरों में 2,000 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह लंदन मुख्यालय वाली वैश्विक संपत्ति सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक एलएलपी का एक अहम हिस्सा है।

शुरुआती तीन दिन भारी बिकवाली, जन्माष्टमी पर मिली बढ़त

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया

मुंबई । बीते सप्ताह (अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में) भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा। शुरुआती दिनों में निवेशकों की धारणा पर वैश्विक नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे संघर्ष का भारी असर पड़ा, जिससे प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सप्ताह के अंत तक बाजार में कुछ सुधार देखा गया, जिससे गिरावट का सिलसिला थमा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय निवेशकों को भी सहमा दिया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर और निफ्टी 95 अंक टूटकर 24,080.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी यह दबाव जारी रहा, हालांकि गिरावट मामूली थी, सेंसेक्स 12.99 अंक और निफ्टी 24.61 अंक फिसले। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली, जहां घरेलू जीडीपी के शानदार आंकड़ों की खुशी भू-राजनीतिक तनाव के साये में फीकी पड़ गई। अमेरिकी-ईरान संघर्ष की आशंकाओं और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के डर ने सेंसेक्स को एक समय 800 अंक से अधिक तोड़ दिया, हालांकि अंत में यह 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर और निफ्टी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 पर बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद, गुरुवार (4 सितंबर 2026, जन्माष्टमी) को भारतीय बाजार में एक बार फिर मजबूत शुरुआत देखने को मिली। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 550 अंक से अधिक का उछाल आया, जो निवेशकों में उम्मीद की किरण जगाई। शुक्रवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों ने सप्ताह के मध्य में आई गिरावट के सिलसिले को समाप्त किया। विदेशी निवेश में वृद्धि और जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति ने बाजार को सहारा दिया, जिससे सेंसेक्स 363 अंक बढ़कर 76,515 पर और निफ्टी 24 अंक से अधिक बढ़कर 23,898 के नीचे बंद हुआ। कुल मिलाकर, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाल निशान में बंद हुए। सप्ताह की शुरुआत के ऊंचे स्तरों से देखें तो सेंसेक्स लगभग 740 अंक और निफ्टी लगभग 275 अंक नीचे आकर बंद हुए। हालांकि, इस दौरान भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले काफी मजबूत हुआ, जो सप्ताह की शुरुआत में 95.22 (अस्थायी) पर बंद होने के बाद शुक्रवार को 2 पैसे बढ़कर 94.49 (अस्थायी) पर आ गया, जो विदेशी पूंजी प्रवाह में वृद्धि का संकेत है। यह सप्ताह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण बाजार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। कच्चे तेल और पश्चिम एशिया का तनाव निकट भविष्य में भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि घरेलू आर्थिक आंकड़े एक अंतर्निहित मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

एनएफआरए ने ऑडिट गुणवत्ता पर नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति बनाई

नई दिल्ली

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने ऑडिट की गुणवत्ता, आश्वासन और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए एक नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। इस समिति में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ और बाजार नियामक सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं। समिति में पेशेवरों, मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ), ऑडिट समितियों, स्वतंत्र निदेशकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व है। यह समिति ऑडिट मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन और एकरूप उपयोग पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इसके अलावा, यह ऑडिट में डेटा विश्लेषण, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़े जोखिमों और व्यावहारिक चुनौतियों पर सलाह देगी। साइबर सुरक्षा, क्लाउड संबंधी जोखिम, ऑडिट दस्तावेजों की गोपनीयता और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा जैसे विषयों पर भी समिति सुझाव देगी, जिससे ऑडिट प्रक्रियाएं सशक्त और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

क्विक कॉमर्स का बड़ा दांव, डार्क स्टोर्स बन रहे मिनी फुलफिलमेंट हब

डार्क स्टोर से मिनी फुलफिलमेंट सेंटर तक, क्विक कॉमर्स कंपनियों का बढ़ा खर्च

नई दिल्ली।

ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियां अपने डार्क स्टोरों पर बड़ा पूंजी निवेश कर रही हैं। यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रति डार्क स्टोर अब लगभग 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो दो साल पहले के 1 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। इसका मकसद इन स्टोरों को मात्र डिलीवरी पॉइंट से व्यापक उत्पाद श्रृंखला वाले मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों में बदलना है। यह बदलाव स्टोर के आकार में 60-100 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। अब 2,000-3,000 वर्ग फुट की जगह 5,000 से 7,000 वर्ग फुट तक के डार्क स्टोर बनाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 5,000 वर्ग फुट के स्टोर पर 2.4-2.5 करोड़ रुपये और 7,000 वर्ग फुट की इकाई पर 3 करोड़ रुपये तक का अनुमानित खर्च आ सकता है, जिसमें वेयरहाउस का बुनियादी ढांचा भी शामिल है। बड़े डार्क स्टोर अब स्थानीय स्तर पर अधिक रिजर्व और लॉन्ग-टेल स्टॉक रख सकेंगे, जिससे री-स्टॉक की जरूरत कम होगी। इससे डार्क स्टोरों की भूमिका बदल रही है; वे अब केवल डिलीवरी पॉइंट नहीं, बल्कि मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों के तौर पर काम करेंगे।

आरबीआई अक्टूबर में बढ़ा सकता है ब्याज दरें

बैंकिंग सिस्टम में 10.3 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड लिक्विडिटी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा (5-7 अक्टूबर) के दौरान ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकता है। यह संभावना बैंकिंग तंत्र में रिकॉर्ड अधिशेष तरलता और केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित 7 लाख करोड़ रुपये की 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी के बाद पुख्ता हुई है, जिसमें पहली बार बैंकों को समय से पहले जमा राशि निकालने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को बैंकिंग प्रणाली में तरलता 10.3 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस बढ़ती तरलता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से आरबीआई सोमवार को 7 लाख करोड़ रुपये की वीआरआरआर नीलामी करेगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि नीलामी में समय से पहले निकासी का विकल्प, बैंकों को महीने के अंत में कर भुगतान जैसी जरूरतों के बावजूद लंबी अवधि के लिए धन जमा करने में सहज महसूस कराएगा। डीलरों के अनुसार, आरबीआई के इस अभूतपूर्व कदम से बॉन्ड बाजार को राहत मिली है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि अक्टूबर की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले तरलता से जुड़े और कोई बड़े उपाय नहीं किए जाएंगे। रुपये पर लगातार

दबाव, ऊंची बॉन्ड यील्ड और तरलता में असंतुलन को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई के लिए ब्याज दरें बढ़ाना ही वर्तमान परिस्थितियों में सबसे उपयुक्त कदम होगा। बैंकिंग तंत्र में अतिरिक्त तरलता का मुख्य कारण विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा के लिए रियायती स्वैप विंडो थी, जिसके माध्यम से रिकॉर्ड 127.2 अरब डॉलर जुटाए गए थे, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड 740.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

अनिल चक्रवर्ती होंगे अडोबी के अगले सीईओ, शांतनु नारायण बनेंगे चेयरमैन

शांतनु नारायण की जगह लेंगे भारतीय मूल के चक्रवर्ती

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर दिग्गज अडोबी ने भारतीय मूल के अनिल चक्रवर्ती को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह 1 दिसंबर से कार्यभार संभालेंगे, जबकि लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे शांतनु नारायण कार्यकारी चेयरमैन का पद ग्रहण करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब अडोबी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक सॉफ्टवेयर में अपनी बढ़त मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। चक्रवर्ती भारतीय मूल के उन अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जो वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों की कमान संभाल रहे हैं। फिलहाल चक्रवर्ती अडोबी के ग्राहक अनुभव प्रबंधन और वैश्विक फील्ड ऑपरेशंस के अध्यक्ष हैं। शांतनु नारायण ने चक्रवर्ती को एक अनुभवी और बदलाव लाने वाले लीडर बताया, जिनके पास मूल्यों, ईमानदारी और व्यवसाय की गहरी समझ के साथ बेहतरीन उत्पाद बनाने तथा डिलीवर करने का शानदार रिकॉर्ड है। नारायण कार्यकारी चेयरमैन के रूप में इस नेतृत्व परिवर्तन में चक्रवर्ती के साथ मिलकर काम करेंगे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी, वाराणसी के पूर्व छात्र चक्रवर्ती जनवरी 2020 में अडोबी से जुड़े थे। उन्होंने अडोबी एक्सपीरिएंस प्लेटफॉर्म के विस्तार, सीएक्स एंटरप्राइज जैसे उत्पादों के विकास और वर्कफ्रंट व सेमरश के अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नियुक्ति अडोबी की एआई रणनीति के अगले चरण पर केंद्रित है, जिसमें क्रिएटिविटी, प्रोडक्टिविटी और ग्राहक अनुभव से जुड़े एजेंटिक सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह नई रणनीति कंपनी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एआई की मार, भारतीय जीसीसी में पारंपरिक नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली । आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन भारत के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में पारंपरिक नौकरियों पर भारी पड़ रहे हैं। क्वेस कॉर्प की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई तकनीकों से लेनदेन वित्त, खरीद, ग्राहक सहायता और सामान्य एनालिटिक्स जैसी नियमित भूमिकाओं की मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि विशेषज्ञ और तकनीक-आधारित पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। 'जीसीसी 2.0- द राइज ऑफ डिजिटल बिजनेस फंक्शन्स' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में प्रोक्योरमेंट रोल (खरीद से संबंधित भूमिकाएं) की मांग में सर्वाधिक 41.7 फीसदी की गिरावट आई है। इसी तरह, एनालिटिक्स भूमिकाओं में 37.9 फीसदी, ग्राहक सेवा में 34.5 फीसदी और वित्त व जोखिम प्रबंधन से जुड़े अवसरों में 32.8 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। क्वेस ने इस बदलाव का कारण स्वचालन, केंद्रीकरण और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों का पुनर्गठन बताया है। उदाहरण के लिए, लेनदेन संबंधी खरीद गतिविधियां अब तेजी से स्वचालित होकर रणनीतिक सोर्सिंग मॉडल में बदल रही हैं, वहीं ग्राहक सेवा भी स्वचालन और स्वयं सेवा विकल्पों की ओर अग्रसर है।

प्रीमियम उत्पादों की धूम- एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल

- शेयर एक महीने में 12 फीसदी उछला; वित्त वर्ष 27 पहली तिमाही में राजस्व 15 फीसदी बढा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों ने हाल ही में जबरदस्त उछाल देखा है, पिछले एक महीने में यह लगभग 12 फीसदी चढ़ गया। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 15 फीसदी राजस्व वृद्धि और 12.5 प्रतिशत का मार्जिन दर्ज किया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन और प्रमुख श्रेणियों में शानदार वृद्धि का परिणाम है। कंपनी का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर रहा, कुल परिचालन मुनाफा मार्जिन 110 आधार अंक बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स वित्त वर्ष 2027 में मिड-टीन (13-17 फीसदी) राजस्व वृद्धि और दो अंक के मार्जिन का लक्ष्य लेकर चल रही है। ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान बढ़ाए हैं, हालांकि शेयर के मौजूदा उच्च मूल्यांकन` वित्त वर्ष 28 आय के 44-45 गुना) को देखते हुए कुछ ने भविष्य के रिटर्न को लेकर सतर्कता बरती है। राजस्व में यह वृद्धि होम एंटरटेनमेंट बिजनेस में 22 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ सभी सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन के कारण आई। उपभोक्ताओं द्वारा बड़ी स्क्रीन वाले टेलीविजन (टीवी) में अपग्रेड करने से टीवी की बिक्री और वैल्यू दोनों में वृद्धि हुई, खासकर 55 इंच से बड़े टीवी में 53 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो अब कुल टीवी सेगमेंट का 50 प्रतिशत हैं। कंपनी की टीवी बाजार हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और ओएलईडी बाजार हिस्सेदारी 59 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। प्रीमियम उत्पादों की ओर रुझान, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और परिचालन दक्षता के चलते होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का मार्जिन 340 आधार अंक बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया। सूचना प्रदर्शन खंड में भी सरकारी और कॉर्पोरेट ऑर्डरों की मदद से एलजी 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है।

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा ऑस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष ज़ोर

बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में कई एमओयू की उम्मीद; गगनयान में भी सहयोग

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। ऑस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ऑस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में ऑस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और लैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में 12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-मॉड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है।

केन्या में सभी नियामकीय नियमों का कर रहे पालन: टाटा केमिकल्स

कंपनी ने नियामकीय अनुपालन का दावा किया, सभी दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने भारतीय दिग्गज टाटा केमिकल्स को झटका देते हुए सदी पुराने मैगाडी सोडा ऐश संयंत्र से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसके बाद टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया है कि उसकी स्थानीय अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) सभी नियामकीय आवश्यकताओं का पालन कर रही है और सरकार को सभी जरूरी सूचनाएं व दस्तावेज जमा करा चुकी है। टीसीएमएल को केन्या के खनन, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री मामलों के मंत्रालय का 28 जुलाई को परिचालन निलंबित करने को लेकर पत्र मिला था।

इसके बाद कंपनी ने 11 अगस्त को मांगी गई सभी सूचनाएं, रिपोर्ट और दस्तावेज जमा करा दिए थे। अब टाटा केमिकल्स मंत्रालय द्वारा इन दस्तावेजों की समीक्षा और आगे के निर्देशों का इंतजार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने 2005 में मगाडी संयंत्र का अधिग्रहण किया था। ष्ट्रपति रूटो ने टाटा पर आरोप लगाया कि कंपनी के पास 100 साल से खनन अधिकार हैं, लेकिन उसने काजियाडो में कुछ नहीं बनाया और संसाधन भारत तथा अन्य स्थानों पर ले जाती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टाटा की जगह दो नई कंपनियों को लाएगी, जिनमें से एक कांच का कारखाना और दूसरी रसायनों का उत्पादन करेगी। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी खनन मंत्रालय द्वारा टीसीएमएल को बकाया खनन शुल्क और अन्य नियामकीय कमियों का हवाला देते हुए परिचालन निलंबित करने के निर्देश के लगभग पांच सप्ताह बाद आई थी।

जन्माष्टमी पर बाजारों में 40 हजार करोड़ से ज्यादा के व्यापार का अनुमान

पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी वृद्धि की संभावना, मिठाई और पर्यटन क्षेत्र की रहेगी प्रमुख हिस्सेदारी

नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश भर में 40,000 करोड़ से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों, धार्मिक व घरेलू खरीदारी, मंदिरों पर होने वाले व्यय, देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और धार्मिक पर्यटन से जुड़े खर्चों के आधार पर जारी किया गया है। कैट के अनुसार, यह आंकड़ा पिछले वर्ष (30,000 करोड़) की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2024 में यह व्यापार ₹25,000 करोड़ रहा था।

उपभोक्ता मांग में वृद्धि, त्योहारों के बढ़ते सामाजिक दायरे, धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी और डिजिटल खरीदारी के विस्तार को इस उछाल का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस व्यापार में मिठाई, माखन-मिश्री व डेयरी उत्पादों की 20त्न और धार्मिक पर्यटन व संबंधित सेवाओं की 15 फीसदी हिस्सेदारी सबसे अधिक रहेगी।

इसके अलावा, फूल, मालाएं, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री, पारंपरिक वस्त्र, फल और लड्डू गोपाल की मूर्तियां भी व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी का उत्सव विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जहां इस वर्ष 4,800 करोड़ के व्यापार की संभावना है, जिसमें मुंबई एमएमआर क्षेत्र से 3,500 करोड़ रुपए का योगदान होगा।

‘रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं’

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, ‘सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।’ वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ‘बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ‘ वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, ‘आपको क्या चाहिए?’ अभिषेक ने कहा, ‘आपका आशीर्वाद,’ इस पर युवराज ने कहा, ‘हमेशा। ‘

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। ‘सुजुकी कप’ नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच ‘स्पोर्ट 75’ नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ‘बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। ‘

उन्होंने आगे कहा, ‘भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। ‘

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, ‘बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। ‘

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। ‘मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, ‘मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ‘ मंधाना ने कहा, ‘अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। ‘अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, ‘मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। ‘

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, ‘मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। ‘

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह ‘प्लेयर ऑफ द सीरीज’ रहे थे। सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। ‘ईएसपीएन क्रिकइंफो’ के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, ‘मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।’ तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।

पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, ‘मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना। ‘

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने ‘आईएएनएस’ को बताया, ‘हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।’ सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 4000

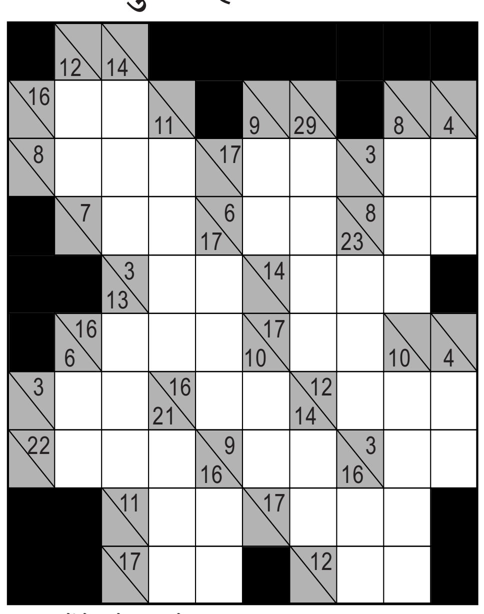

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3999 का हल

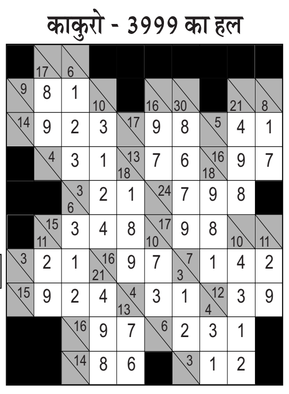

हंसी के फूव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है, कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा- मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली- 4000

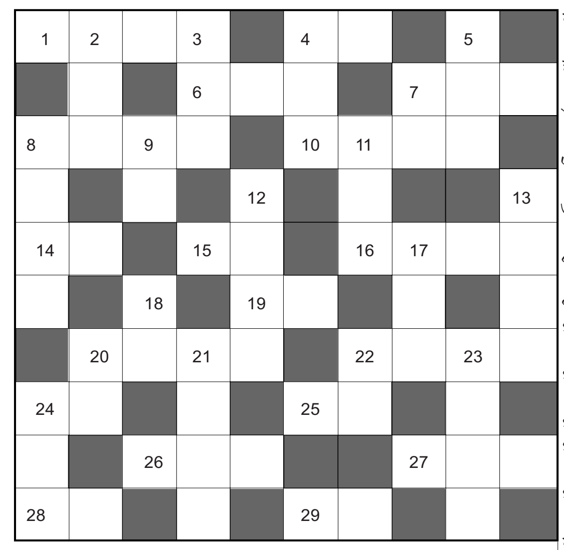

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3999

सूडोकु -4000

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3999 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 4000

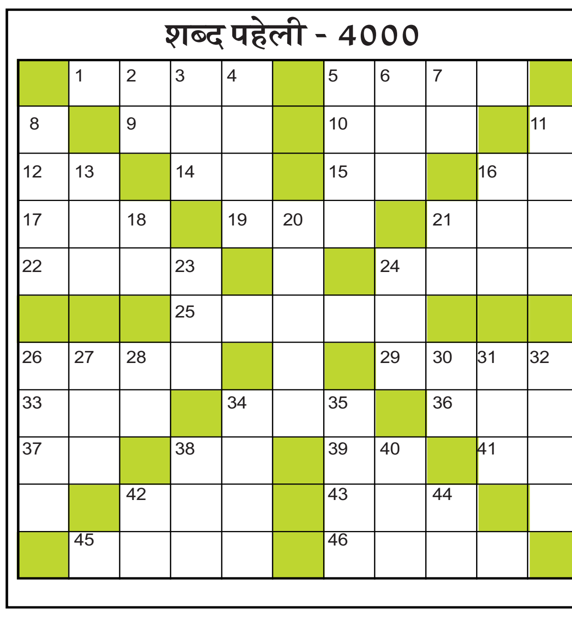

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3942 का हल

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे ZEE पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी। 'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे। सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है। कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है। 'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

अगली फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

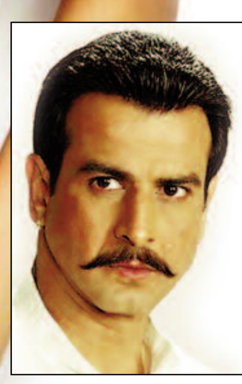

'मॉन्स्टर' में हुई रोनित रॉय की एंट्री

सलमान खान की फिल्म 'मॉन्स्टर' पिछले काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इसे शुरुआत में एक प्रोजेक्ट के तौर पर आगे बढ़ाया गया था, लेकिन अब इसकी स्टारकास्ट और कहानी का दायरा लगातार बड़ा होता जा रहा है। फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब रोनित रॉय और सीमा बिस्वास भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। दोनों एक्टर्स फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में रोनित का किरदार काफी खास बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'वह फिल्म में पॉजिटिव और बड़े कद वाले किरदार में नजर आएंगे।

वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी की

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था।

'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

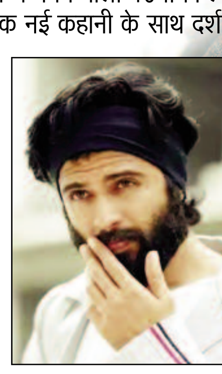

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

कृति सेनन एड विवाद पर बोलीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस कृति सेनन के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट विवाद पर अब उर्वशी रौतेला की प्रतिक्रिया सामने आई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उर्वशी ने कहा कि वे किसी भी महिला को उसके कपड़ों से जज नहीं करती हैं, लेकिन क्रिएटिविटी के नाम पर सांस्कृतिक संवेदनशीलता से समझौता नहीं होना चाहिए। रक्षाबंधन भारत का बेहद पवित्र त्योहार है और इसकी मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। बता दें कि ज्वेलरी ब्रांड जीवा के इस विज्ञापन में कृति सेनन के इंडो-वेस्टर्न पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था, जिसके बाद ब्रांड ने विज्ञापन को हटा लिया है। 'क्रिएटिविटी और परंपरा को एक साथ न मिलाएं' बातचीत में उर्वशी रौतेला ने कहा, 'हम आजादी और क्रिएटिविटी का जश्न मनाते हैं, लेकिन हमें यह सोचना होगा कि रक्षाबंधन एक संवेदनशील और पवित्र त्योहार है। इसे देश के करोड़ों लोग मनाते हैं और हमें अपनी परंपराओं पर गर्व है। हमें यह समझना होगा कि क्रिएटिविटी के नाम पर रक्षाबंधन जैसी पवित्र परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।' 'हमें तय करना होगा कि कहां सीमा होनी चाहिए' उर्वशी ने बातचीत के दौरान भारतीय संस्कृति के प्रति अपने सम्मान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का खूबसूरत त्योहार है। उर्वशी ने जोर देते हुए कहा, 'हमें एक सीमा तय करनी होगी कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आखिरकार हम सब भारतीय हैं और हमें अपने देश और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।'

क्या है पूरा विवाद

कृति सेनन ने एड में रिवीलिंग कपड़े पहने- यह पूरा विवाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड के 36 सेकंड के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट से शुरू हुआ था। रक्षाबंधन से जुड़े इस एड में कृति ने ऑफ व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहना था। सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस लुक की आलोचना की। उनका कहना था कि परिवार और परंपरा से जुड़े त्योहार के लिए यह आधुनिक स्टाइल सही नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला, बीएलए का दावा- 25 जवानों को किया ढेर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में गुरुवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए ने दावा किया है उन्होंने इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों को ढेर किया और सेना की दो गाड़ियों में आग लगा दी। द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस पर सेना के एक काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और उनमें से दो को नष्ट कर दिया, जिनमें सेना का एक ट्रक भी शामिल था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने शुरुआत में दावा किया था कि हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 जवान मारे गए हैं, लेकिन बाद में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हक्कल पर इस हमले का 1 मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया। संगठन का कहना है कि इसमें जियारत क्रॉस पर हुए हमले के फुटेज दिखाए गए हैं। बीएलए के जारी किए फुटेज में हथियारबंद लड़ाके जलती हुई पाकिस्तानी सैन्य गाड़ियों के पास दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में हादसे की जगह पर शव दिखाए गए हैं। इसके साथ ही जब्त किए गए हथियार भी दिख रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ये ट्रेलर जारी करते हुए लिखा कि अभी पूरा वीडियो आना बाकी है, जो कि बाद में जारी किया जाएगा। बीएलए के बयान के अनुसार, एक अलग घटनाक्रम में, सुराब के हाजिका इलाके में समूह के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन्स स्क्वाड ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को रिमोट से उड़ा दिया। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में सेना की एक गाड़ी नष्ट हो गई और सात जवान मारे गए।

अटलांटिक महासागर में प्रवासियों की नाव फंसी, 5 की मौत; 44 को बचाया गया

बार्सिलोना, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में पश्चिमी अफ़्रीकी देशों के प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के मुश्किल में फंसने के बाद कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। इस हादसे के बाद 44 लोगों को सुरक्षित बचाकर कैनरी द्वीप लाया गया है। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसके एक विमान ने बुधवार अपराह्न ग्रैन कैनरिया द्वीप के दक्षिण में लगभग 120 किलोमीटर (74 मील) दूर बहती हुई एक खतरनाक हालत वाली नौका देखी। बचे हुए तीन लोगों को तुरंत हेलीकॉप्टर से द्वीप पर स्थित अस्पताल ले जाया गया। बाकी 41 प्रवासियों को नौका से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बृहस्पतिवार तड़के आर्गिनगुइन बंदरगाह पर उतारा गया, जहां रेड क्रॉस ने उनकी देखभाल की। कैनरीज में रेड क्रॉस के प्रवक्ता होजे एंटोनियो रोड्रिगेज वेरोना ने बताया कि बचे हुए सभी लोग पुरुष थे, जिनमें से कुछ नाबालिग थे और वे माली या सेनेगल से आए थे।

भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। इस्लामाबाद ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया है। बता दें कि भारत ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर तक के लिए राजस्थान क्षेत्र के पाकिस्तान बॉर्डर पर एयरस्पेस रिजर्व करने के लिए नोटिस टू एयर मिशन्स जारी किया है। जहां सेना का अभ्यास होगा। वहीं इस बीच भारत के नोटैमजारी करते ही इस्लामाबाद में सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जा रही है। इस बीच पाकिस्तान ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और किसी भी संभावित खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद यह आकलन पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के ऑफिस को सौंपा गया। भारतीय वायु सेना द्वारा तय एयरस्पेस एक्टिविटी की तैयारी के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने भी भारत-पाकिस्तान सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत का नोटैमदो हफ़्ते से ज़्यादा समय के लिए है और इसने पाकिस्तान के सिक्योरिटी सिस्टम को प्लानड एक्टिविटी की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित किया है। , सुरक्षा से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा अधिकारी इस नोटिफिकेशन को फौरन आकलन की ज़रूरत वाले मामले के तौर पर देख रहे हैं। नतीजतन, सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

स्टाइनम ने गांधी से प्रेरणा ले अमेरिका में छेड़ा था आंदोलन; भारत में पदयात्रा से बदली थी सोच

कैथरीन क्यू सीली, एजेंसी। पूरी दुनिया में चर्चित नारीवादी कार्यकर्ता ग्लोरिया स्टाइनम का बुधवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। कम ही लोगों को पता होगा कि अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन का प्रमुख चेहरा रही ग्लोरिया को इसकी प्रेरणा महात्मा गांधी से मिली थीं। वह 1957 में भारत आई थीं और गांधी के अनुयायियों के साथ दक्षिण भारत में पदयात्राओं का हिस्सा रही थीं।

स्टाइनम उस समय कॉलेज के आखिरी वर्ष में थीं और अपने प्रेमी के साथ शादी करने की योजना बना रही थीं। बाद में उन्हें लगा कि वह शायद इसलिए शादी के बंधन में बंध रही हैं और बच्चा पैदा करना चाहती हैं क्योंकि समाज महिलाओं से यही अपेक्षा करता है। उन्हें विवाह एक शुरुआत नहीं, आजादी के अंत जैसा लगा। बस फिर क्या था, उन्होंने सगाई की अंगूठी अपने मंगेतर के तकिये के नीचे रख दी और भारत के सफर पर रवाना हो गईं।

पदयात्रा कर जमीनी हकीकत जानी : वह स्वतंत्रता के केवल एक दशक बाद महात्मा गांधी की विरासत से आकर्षित होकर भारत की ओर खिंची चली आई थीं। उन्होंने अध्ययन के लिए चेस्टर बोउल्स एशियाई फेलोशिप जीती थी लेकिन जल्द ही अपनी कक्षाएं छोड़ दीं। एक साड़ी पहनकर और केवल एक तौलिया, एक कप और एक कंघी लेकर गांधीजी के अनुयायियों के साथ

दक्षिणी भारत में पदयात्रा पर निकल पड़ीं। यहीं, उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन के बारे में सबक सीखे और आगे चलकर अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन शुरू किया।

प्लेबॉय क्लब में काम कर महिलाओं की दुर्दशा जानी : अमेरिका लौटने के बाद ग्लोरिया ने मैसाचुसेट्स में एक एनजीओ के लिए काम किया। बतौर पत्रकार भी सक्रिय रहीं। वर्ष 1963 में न्यूयॉर्क के प्लेबॉय क्लब में एक अंडरकवर वेट्रेस के रूप में काम किया ताकि महिलाओं की स्थिति को करीब से जान सकें।

रिपोर्ट ने मचा दिया तहलका... : उन्होंने करीब दो हफ्ते तक क्लब में यह काम शो पत्रिका के लिए किया। इसके बाद उनकी जो रिपोर्ट छपी उसने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। उस दौर में जब महिलाओं को गंभीर पत्रकार या पेशेवर नहीं बल्कि केवल खूबसूरत शो-पीस माना जाता था, ग्लोरिया ने उस कड़वी सच्चाई को दुनिया के सामने रखा, जिसे समाज हमेशा दबाए रहता था।

अंतिम समय तक रहीं सक्रिय : 25 मार्च 1934 को टोलेडो, ओहायो में जन्म। 10 वर्ष की आयु में माता-पिता के तलाक के बाद मानसिक रूप से अस्वस्थ मां की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। 1968 में न्यूयॉर्क पत्रिका की सह-संस्थापक बनीं और मासिक राजनीतिक कॉलम द सिटी पॉलिटिक शुरू कर बेबाक राय रखनी शुरू की। 1972 में पूरी तरह महिलाओं के स्वामित्व वाली और संचालित पहली राष्ट्रीय पत्रिका मिस की सह-स्थापना की, जिसने गर्भपात, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। 90 वर्ष की उम्र तक निबंध लिखने, व्याख्यान देने में सक्रिय रही और महिलाओं के मुद्दे उठाती रहीं।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड की उम्मीदों को झटका, खाड़ी संकट ने भी बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी। अमेरिका में ग्रीन कार्ड के इच्छुक भारतीयों की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी कि भारतीय नागरिकों के लिए रोजगार आधारित प्रथम प्राथमिकता (ईबी-1) ग्रीन कार्ड आने वाले हफ्तों में अस्थायी रूप से अनुपलब्ध हो सकते हैं। विभाग के सितंबर वीजा बुलेटिन के अनुसार, भारी मांग के चलते अमेरिकी वित्त वर्ष के 30 सितंबर को समाप्त होने से पहले भारत का तय कोटा खत्म हो सकता है। हालांकि विभाग ने कहा है कि वह वीजा उपलब्धता की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। जरूरत पड़ने पर वीजा संख्या और तारीखों में उचित बदलाव किए जाएंगे। ईबी-1 श्रेणी असाधारण प्रतिभा वाले पेशेवरों, प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अधिकारियों के लिए होती है। अत्यधिक मांग के चलते सितंबर के लिए ईबी-1 भारत की अंतिम कार्रवाई तिथि 15 अक्तूबर, 2022 तय की गई है। इसका मतलब है कि सामान्य तौर पर उन्हीं भारतीय आवेदकों के मामलों में अंतिम कार्रवाई हो सकती है जिनकी प्राथमिकता तारीख 15 अक्तूबर 2022 से पहले की है। खाड़ी क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध जैसे हालात हैं। एक माह शांति के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष का ताजा, खतरनाक दौर भारतीयों के लिए संकट लाया है। इसके सीधे असर से यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर व सऊदी के करीब 90 लाख भारतीय प्रवासी चिंता में हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशियाई देशों के लिए दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी की चेतावनी जारी की है। यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी फारस व ओमान की खाड़ी के लिए चेतावनी 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। ये सारे डेवलपमेंट बेहद गंभीर हैं।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फर्जी रिपोर्ट बनवाई।

डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच जरूरी : गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और

अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है।

जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो। पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया? डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता।

'ईरान के मुकाबले चीन ज्यादा जिम्मेदार', अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए चीन भी अमेरिका का सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने ईरान की तुलना में चीन को ज्यादा जिम्मेदार देश भी बताया। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक रूप से दबाव बनाने के लिए 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। जिस पर सवाल उठ रहे हैं कि चीन की मदद के बिना ये अभियान सफल नहीं हो सकता। जब इसे लेकर वेंस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि चीन भी मदद के लिए तैयार है। वेंस ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि चीन सरकार, इस मामले में सहयोग के लिए तैयार है।' हालांकि वेंस ने स्वीकार किया कि अमेरिका और चीन के बीच कुछ नीतिगत मतभेद हैं, लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं। वेंस ने कहा, 'चीन के बारे में जो कहें, लेकिन वे उस तरह के देश नहीं हैं कि किसी अंतरराष्ट्रीय विवाद में अपनी बात मनवाने के लिए वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करते रहें।' जेडी वेंस ने बताया कि तुर्किये, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देशों सहित कई अन्य देश भी अमेरिका की मदद करने के लिए कदम उठा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, 'कई देश, कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कुछ कहने के लिए तैयार नहीं होते हैं, लेकिन निजी तौर पर वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करने के लिए ईरान को सबक सिखाना चाहते हैं और इस वजह से वे हमारी मदद भी कर रहे हैं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास ईरान से निपटने के लिए आर्थिक, सैन्य, राजनयिक और गुप्त उपायों समेत कई विकल्प मौजूद हैं। वेंस का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। वेंस ने कहा कि ईरान पर दबाव बनाने की हम अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं करेंगे क्योंकि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की फैसला लेने की क्षमता सीमित हो जाएगी।

100 साल से केन्या में थी टाटा की कंपनी, अब राष्ट्रपति ने कामकाज बंद करने का दिया आदेश

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने काजीआडो के लेक मगाडी में काम कर रही भारतीय कंपनी टाटा केमिकल्स को अपना काम तुरंत रोकने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि एक सदी से भी अधिक समय से इस क्षेत्र में काम करने के बावजूद वह पर्याप्त निवेश, नौकरियां और औद्योगिक विकास लाने में विफल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सरकार टाटा केमिकल्स की जगह नए निवेशकों को लाएगी, जिनसे देश में ही विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सुविधाएं स्थापित करने को कहा जाएगा।

क्या हम दूसरों के गुलाम हैं : एक विकास दौरे के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रुटो ने कहा, उस टाटा कंपनी के पास यह अनुबंध 100 वर्षों से था, लेकिन उन्होंने काजीआडो में कोई फैक्टरी या ढांचा खड़ा नहीं किया।

उन्होंने जनता से तीखा सवाल पूछा, क्या हम दूसरे लोगों के गुलाम हैं?। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि केन्या की प्राकृतिक संपत्ति का लाभ सबसे पहले केन्याई लोगों को मिलना चाहिए और संसाधनों को सिर्फ निकालकर प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के लिए बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। सरकार का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण होने से औद्योगिक विकास, रोजगार और कर राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

1911 से चल रहा था परिचालन : टाटा केमिकल्स का काम इस साल जुलाई के अंत में ही निलंबित करने का सरकारी निर्देश दिया गया था, जिसके बाद मगाडी सोडा फैक्टरी का परिचालन और सोडा ऐश का निर्यात रोक दिया गया था। टाटा केमिकल्स ने साल 2005 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था, जबकि यह व्यवसाय 1911 से मगाडी सोडा कंपनी के रूप में चल रहा था। यहां से सालाना 3.5 लाख टन से अधिक सोडा ऐश भारत, दक्षिण-पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व के देशों में निर्यात की जाती थी, जिसका उपयोग कांच, डिटर्जेंट, रसायनों और जल शोधन में होता है।

विपक्ष ने उठाए राष्ट्रपति की नीयत पर सवाल : इस बीच, केन्या की विपक्षी पार्टी डेमोक्रेसी फॉर द सिटीजन्स पार्टी (डीसीपी) ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष ने इसे राज्य प्रायोजित आर्थिक तोड़फोड़ करार देते हुए आरोप लगाया है कि टाटा केमिकल्स को बंद कराने के पीछे राष्ट्रपति रुटो के अपने निजी व्यापारिक हित जुड़े हो सकते हैं। डीसीपी का दावा है कि मगाडी क्षेत्र के नीचे खरबों शिलिंग मूल्य के लिथियम धातु के विशाल भंडार और तेल की भारी संभावनाएं हैं। विपक्ष का आरोप है कि रुटो टाटा को हटाकर अन्य हितों को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस फैसले से 1 लाख से अधिक लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और नैरोबी में पेयजल शोधन के लिए सोडा ऐश की आपूर्ति बाधित हो सकती है। केन्या के खनन कैबिनेट सचिव हसन जोहो ने आरोप लगाया है कि मंत्रालय ने वर्षों तक कंपनी के साथ जुड़ने का प्रयास किया, लेकिन कंपनी ने नियमों का पालन नहीं किया। अब इस पूरे विवाद और खनन कार्यों को दोबारा शुरू करने की संभावना से जुड़ी एक याचिका पर 18 नवंबर को केन्या की हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

पाकिस्तान में सच बोलने पर सिख पत्रकार का करियर तबाह, एंकर हरमीत सिंह को बेबाक कवरेज की मिल रही सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिख पत्रकार और टीवी एंकर हरमीत सिंह ने दावा किया है कि स्वतंत्र और बेबाक पत्रकारिता के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि पहले उन्हें टीवी स्क्रीन से हटाया गया और बाद में राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अलग-अलग चैनलों पर आने से भी रोक दिया गया। हरमीत ने अपने छोटे मीडिया कार्यालय पर पुलिस कार्रवाई और उपकरण जब्त किए जाने का भी दावा किया है। हरमीत सिंह के मुताबिक, वह पाकिस्तान के सिख समुदाय से मुख्यधारा के मीडिया में पहुंचने वाले शुरुआती पत्रकारों में से एक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर

एक संदेश में कहा कि एक हाशिये पर रहने वाले समुदाय से निकलकर मुख्यधारा की पत्रकारिता तक पहुंचना आसान नहीं था। उनके समुदाय के कुछ लोग उनसे यह सवाल भी करते थे कि वह पत्रकारिता में क्यों बने हुए हैं, कोई दूसरा पेशा या कारोबार क्यों नहीं करते। हरमीत ने दावा किया कि परेशानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की कवरेज के बाद शुरू हुई। उनके अनुसार, नवंबर 2024 में उनकी कवरेज के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें इस्लामाबाद में स्नढ्डक्रऔर पेशावर में शुरू की गई जांच भी शामिल है।

उनके अनुसार, मामला अदालत में विचाराधीन है। हरमीत ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके छोटे मीडिया कार्यालय पर छापा मारा और वहां से कंप्यूटर, कैमरे, माइक्रोफोन और अन्य उपकरण जब्त कर लिए। हरमीत सिंह ने अपने ऊपर लगे किसी भी देश-विरोधी या प्रचार से जुड़े आरोप को खारिज किया। उनका कहना है कि उनकी पत्रकारिता का फोकस लोकतंत्र, संविधान की सर्वोच्चता और आम नागरिकों की समस्याओं पर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका नजरिया दूसरों से अलग हो सकता है और शायद यही उनके लिए समस्या बन गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी पाकिस्तान के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपने देश के खिलाफ किसी तरह के प्रचार में हिस्सा लिया। सिख बुद्धिजीवी अवतार सिंह ने इस मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सिख पत्रकार के कार्यालय पर कथित तौर पर छापा मारना और स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने के कारण कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक ने जन्माष्टमी की दी बधाई, शेख हसीना को बताया कंस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बिना नाम लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने बांग्लादेश की पिछली सरकार की तुलना मथुरा के राजा कंस से करते हुए कहा कि कंस जैसा क्रूर शासन करीब डेढ़ दशक तक देश में चला और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित रखा गया। ढाका में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में तारिक रहमान ने हिंदू समुदाय के लोगों और पुजारियों से मुलाकात की। उन्होंने देश और दुनिया भर के हिंदुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के जन्म की कथा का उल्लेख करते हुए तारिक रहमान ने कहा कि करीब 5,000 साल पहले मथुरा में अत्याचारी राजा कंस का शासन था। हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण ने कंस का अंत कर बुराई पर अच्छाई की जीत स्थापित की। इसके बाद उन्होंने इसी कथा को बांग्लादेश की राजनीति से जोड़ दिया। तारिक रहमान ने कहा कि बांग्लादेश में भी कंस जैसा शासक डेढ़ दशक तक सत्ता में रहा और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से दूर रखा। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एकजुट हुए और उन्होंने कंस जैसे फासीवादी शासन को सत्ता से हटाने के लिए बलिदान दिया। हालांकि, अपने संबोधन में उन्होंने शेख हसीना का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। तारिक रहमान ने कहा कि वह बांग्लादेश और दुनिया भर के सभी हिंदुओं तथा सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और हिंदू धार्मिक कल्याण ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया

गया था। कार्यक्रम में तारिक रहमान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने हिंदू पुजारियों से मुलाकात की और समुदाय के कुछ लोगों को सम्मान राशि भी वितरित की। तारिक रहमान ने दावा किया कि बांग्लादेश अब दोबारा लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने अब अर्थव्यवस्था में सुधार, निष्पक्ष प्रशासन और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के पुनर्निर्माण का समय है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह भारत आ गईं।

उनकी सरकार के पतन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। बाद में शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया। हसीना के भारत में रहने और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के कारण ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में भी तनाव देखने को मिला। इसके बाद बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बीएनपी को बहुमत मिला और लंबे समय तक निर्वासन में रहने के बाद तारिक रहमान की सत्ता में वापसी हुई। सत्ता में लौटने के बाद बांग्लादेश की सरकार लगातार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई कानूनी मामले भी चल रहे हैं।

चीन में शख्स ने शुरू किया खुजली मिटाने का बिजनेस, हर महीने कमा रहा 14 लाख; मार्केट में भारी डिमांड

बीजिंग, एजेंसी। चीन के एक 32 साल के युवा एंटरप्रेन्योर ने एक बेहद आम सी समस्या को एक अनोखे और कामयाब बिजनेस आइडिया में बदल दिया है। अब लोग अपनी पीठ या शरीर के अन्य हिस्सों की खुजली शांत करने के लिए प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं। हुबेई प्रांत के रहने वाले झांग शियाओकियाओ ने शेनझेन शहर में सुमा ब्रांड नाम से इस अनूठी सर्विस की शुरुआत की है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस थेरेपी का माहौल बिल्कुल किसी लग्जरी मसाज पार्लर जैसा होता है। यहां ग्राहक आराम से बेड पर लेटते हैं और ट्रेंड स्टाफ उनके शरीर को सहलाता है। इसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ खास तौर पर डिजाइन किए गए नुकीले नाखूनों का इस्तेमाल करके उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजलाते हैं।

प्रति घंटे मोटी रकम खर्च कर रहे लोग : इस अनोखी सर्विस की कीमत लगभग 4,200 रुपये प्रति घंटा है। इसे केवल खुजली मिटाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आराम करने, तनाव कम करने और बेहतर नींद के एक तरीके के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है।

ग्राहक अपनी सुविधानुसार स्टाफ को भी बता सकते हैं कि शरीर के किस हिस्से में ज्यादा खुजली हो रही है, ताकि वे उन जगहों पर अधिक ध्यान दे सकें। कई बार इस एहसास से ग्राहकों को गुदगुदी भी होती है और वे हंसने लगते हैं। झांग बताते हैं कि बड़े शहरों में लोग अक्सर बहुत ज्यादा तनाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस सर्विस की मांग तेजी से बढ़ रही है।

14 लाख रुपये महीने की कमाई : झांग ने मई में शेनझेन के बाओआन जिले में अपना पहला आउटलेट खोला था और सफलता को देखते हुए एक महीने बाद फुटियान जिले में दूसरी ब्रांच भी खोल दी। खबरों के मुताबिक, दोनों स्टोर मिलकर हर महीने करीब 14 लाख रुपये की कुल कमाई कर रहे हैं और ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच चुके हैं।

झांग ने आगे बताया कि हम पुरुष और महिला, दोनों तरह के ग्राहकों को सर्विस देते हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत पुरुष हैं।

कुछ ग्राहकों का मानना है कि हमारी सर्विस पारंपरिक मसाज से भी ज्यादा आरामदायक है। इसी वजह से हमारे पास बार-बार आने वाले नियमित ग्राहकों का एक मजबूत आधार बन गया है।

कहां से मिला आइडिया : यह अनोखा आइडिया सोशल मीडिया और बचपन की यादों के दिलचस्प मेल से पैदा हुआ। पिछले साल, झांग ने इंटरनेट पर एक छोटा सा वीडियो देखा जिसमें एक महिला अपने पति की पीठ खुजला रही थी। वीडियो पर आए कमेंट्स ने उनका ध्यान खींचा, कई लोगों ने लिखा था कि वे अपनी खुजली मिटाने के लिए किसी को खुशी-खुशी पैसे देने को तैयार हैं। इस घटना ने झांग को उनके बचपन की याद दिला दी, जब उनके पिता अक्सर उन्हें सुलाने के लिए प्यार से उनकी पीठ खुजलाया करते थे। इसी के बाद उन्होंने सोचा कि क्या आराम देने वाले इस साधारण से काम को एक पेशेवर सर्विस में बदला जा सकता है।

खुद डेवलप किया खुजलाने का तरीका : चूंकि चीन में पेशेवर तौर पर खुजली मिटाने वाले बिजनेस का कोई स्थापित उदाहरण नहीं था, इसलिए झांग को सर्विस खुद ही डिजाइन करनी पड़ी। उन्होंने अलग-अलग तरीकों का परीक्षण किया और यह पता लगाया कि ग्राहकों के लिए इस अनुभव को सबसे ज्यादा आरामदायक कैसे बनाया जा सकता है। यह स्टार्टअप झांग के पिछले करियर से बिल्कुल अलग है। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने एक साल में सात अलग-अलग नौकरियां की थीं। बाद में सोशल मीडिया इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने दो क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी शुरू की थीं, लेकिन उन्हें वैसी कामयाबी नहीं मिली जैसी उम्मीद थी।

100 आउटलेट खोलने का लक्ष्य : अब उनका यह अनोखा आइडिया लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। ऑनलाइन भी इस बिजनेस ने उत्सुकता पैदा की है और लोग मजाक में इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या प्रोफेशनल खुजली मिटाना सच में एक मान्यता प्राप्त पेशा बन सकता है। आने वाले समय में पूरे चीन में सुमा के 100 आउटलेट खोलेंगे और इस अनोखे काम को एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सर्विस प्रोफेशन में बदल देंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)